दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हरियाणा की बजाए दिल्ली पर ध्यान दें केजरीवाल : मनोहर लाल खट्टर

6 समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का इलाज

7 कांग्रेस के दलदल में फंसा 'इंडिया' गठबंधन : शिवराज

फर्स्ट टेक

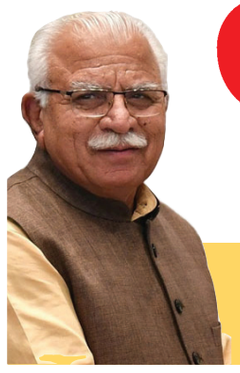

नौसेना के युद्धपोत 'सूरत' के प्रतीक चिह्न का अनावरण

सूरत/भाषा। भारतीय नौसेना के नवीनतम निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत 'सूरत' के प्रतीक चिह्न का अनावरण गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सोमवार को सूरत शहर में आयोजित एक समारोह में किया। सेना की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह पहला युद्धपोत है जिसका नाम गुजरात के किसी शहर के नाम पर रखा गया है और पहली बार किसी युद्धपोत के प्रतीक चिह्न का अनावरण उसी शहर में किया गया जिसके नाम पर इसका नामकरण किया गया है। निर्माणाधीन युद्धपोत 'सूरत' के प्रतीक चिह्न में सूरत के हजीरा स्थित प्रसिद्ध प्रकाश स्तंभ, एक बब्बर शेर और लहरों को दर्शाया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, युद्धपोत वर्तमान में मुंबई में मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) में निर्माणाधीन है। यह अगले साल सक्रिय सेवा में शामिल हो जाएगा।

दक्षिण कोरिया ने सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया अपने प्रतिद्वंद्वी उत्तर कोरिया पर बेहतर तरीके से नजर रखने के लिए इस महीने के अंत में घरेलू स्तर पर निर्मित अपना पहला जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। दक्षिण कोरिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया ऐसे समय में उपग्रह प्रक्षेपित करेगा जब उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों के अपने शस्त्रागार का विस्तार करने पर जोर दे रहा है। दक्षिण कोरिया की इस घटना से पहले उत्तर कोरिया अक्टूबर में अपना स्वयं का जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित का तीसरा प्रयास करने के अपने संकल्प को पूरा करने में संभवत: तकनीकी कारणों से विफल रहा था। दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जीन हा ग्यू ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि देश के पहले सैन्य उपग्रह का 30 नवंबर को कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग वायु सेना बेस से प्रक्षेपण किया जाएगा।

रूस ने निलंबन के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की

लुसाने (स्विट्जरलैंड)/एपी। रूस की ओलंपिक समिति ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) द्वारा पिछले महीने उसे निलंबित किए जाने के फैसले को खेल पंचाट में चुनौती दी है। रूस ने पूर्वी यूक्रेन के चार क्षेत्रों के खेल परिषदों को अपने सदस्यों के रूप में शामिल किया था, जिसे आईओसी ने ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन करार देकर रूस की ओलंपिक समिति को निलंबित कर दिया था। खेल पंचाट ने रूस की अपील स्वीकार कर ली है

सूर्यास्त 06-11-2023	सूर्योदय 07-11-2023
5:51 बजे	6:15 बजे

BSE	NSE
64,958.69	19,411.75
(+594.91)	(+181.15)

सोना	चांदी
6,346 रु.	74,200 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासती सद्भाव

आज सियासत की नदिया में,
कितनों के सद्भाव बह गए।
चली दुधारी चालें इतनी,
घायल गुपचुप दर्द सह गए।
जिनने महल बनाए ऊँचे,
अंधड़ आया और ढह गए।
मुँह धो कर बैठे कुछ पाने,
वे अपने मुँह धोते रह गए।।

'वोकल फॉर लोकल' पर प्रधानमंत्री मोदी ने दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में दिवाली मनाने की जोर-शोर से चल रहीं तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थानीय उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए सोमवार को एक वीडियो जारी किया और कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' आंदोलन देशभर में गति पकड़ रहा है। सोशल मीडिया 'एक्स' पर साझा किये गये एक वीडियो में प्रधानमंत्री ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि त्योहारों के दौरान उनकी प्राथमिकता 'वोकल फॉर लोकल' हो।

मोदी और ईरान के राष्ट्रपति ने की पश्चिम एशिया में 'मुश्किल हालात' पर चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी ने सोमवार को पश्चिम एशिया क्षेत्र में ''मुश्किल हालात'' और इजराइल-हमास संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने ''आतंकवादी घटनाओं, हिंसा और आम नागरिकों की मौत'' पर गहरी चिंता व्यक्त की। रईसी के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में मोदी ने इजराइल-फलस्तीन मुद्दे पर भारत के पुराने और सुसंगत रुख को दोहराया। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में ''मुश्किल हालात'' और इजराइल-हमास संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादी घटनाओं, हिंसा और आम नागरिकों की मौत पर गहरी चिंता व्यक्त की।

'देश में अवसरों की कमी नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि देश में युवाओं के लिए अवसरों की कमी नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने भवन देखने आये झुंझुनूं के सैनिक स्कूल के छात्रों से संसदीय सौध में संवाद करते हुए कहा कि आज भारत जिस गति के साथ आगे बढ़ रहा है ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और आज हम दुनिया की पांचवी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इस विकास यात्रा के दौरान हमने बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ा है और अब हम जर्मनी और जापान को भी पीछे छोड़ने वाले हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत आज एक चमकता हुआ सितारा है।

उपराष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि हमें भारत और भारतीयता पर गर्व करना चाहिए और हमें हमारी ऐतिहासिक उपलब्धियां का जश्न मनाना चाहिए। भारत की विकास यात्रा में हमें यथासंभव योगदान देकर भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, ''कभी भी तनाव न लें। पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की टेंशन या दबाव में नहीं रहना चाहिए। सहज रहें और सफल होने की अपेक्षा हमेशा एक अच्छा नागरिक बनने का प्रयास करें, अनुशासन में रहे क्योंकि अनुशासन सफलता की कुंजी है।

उपराष्ट्रपति ने देश में उपलब्ध असीम अवसरों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए छात्रों से कहा कि आज आप जिस क्षेत्र में चाहें वहां अपना करियर बना सकते हैं, चाहे वह रक्षा का क्षेत्र हो या नौसेना हो, तटरक्षक बल हो या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल हों, आज देश में अवसरों की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब सत्ता के गलियारे दलालों से पूरी तरीके से पटे पड़े रहते थे आज वह सब गायब हो गए हैं। सरकार ने भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करके सत्ता के गलियारों को दलालों से पूरी तरीके से मुक्त कर दिया है। प्रशासन में बहुत पारदर्शिता आई है।

आबादी के बड़े हिस्से की जरूरतों को पूरा करने को जी-20 अध्यक्षता ने नीतिगत दिशा दी : वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता ने दुनिया की आबादी के एक बड़े हिस्से की जरूरतों को पूरा करने के लिये एक स्पष्ट नीतिगत दिशा उपलब्ध करायी है। आबादी का यह वह हिस्सा है, जिनकी आवाज अक्सर बहुपक्षीय मंचों पर अनसुनी कर दी जाती है। वित्त और श्रम मंत्रालयों तथा वाणिज्य विभाग के 'मजबूत, सतत, संतुलित और समावेशी वृद्धि' विषय पर आयोजित सेमिनार के उद्घाटन भाषण में वित्त मंत्री ने कहा, ''हालांकि, हमारे लिये इस मामले में अब भी काम करना बाकी है।'' भारत को एक दिसंबर, 2022 को जी-20 की अध्यक्षता मिली थी।

सीतारमण ने कहा, ''जी-20 नई दिल्ली घोषणा (एनडीएलडी) पर समूह के सभी देशों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली कुछ गंभीर चुनौतियों का समाधान करता है। साथ ही जन केंद्रित सिद्धांतों और भरोसे वाली साझेदारी पर आधारित भविष्य के लिये नीतियों के स्तर पर मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।'' उन्होंने कहा, ''भले ही इस महीने के अंत तक जी-20 अध्यक्ष के रूप में हमारी भूमिका समाप्त हो रही है, 'नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन' (नई दिल्ली घोषणा) में नीति मार्गदर्शन के मामले में जो शुरुआत हुई है, उसकी गति बनाई रखी जानी चाहिए।

धन शोधन मामले में पंजाब से 'आप' विधायक गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक जसवंत सिंह गज्जन माजरा को कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि विधायक को मलेरकोटला में आयोजित एक जनसभा से एजेंसी के अधिकारियों ने हिरासत में लिया था और फिर उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली-एनसीआर, उत्तर भारत और नेपाल में भूकंप के झटके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और नेपाल में सोमवार को फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गयी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा नेपाल में सोमवार को एक बार फिर से बहुत तेज भूकंप के झटके महसूस किये गये। तीन दिन के बाद ही दूसरे भूकंप ने लोगों को डरा कर रख दिया है। सूत्रों के अनुसार दिल्ली, एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में भी महसूस किये गये।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.6 दर्ज की है। भूकंप का केन्द्र के नेपाल में होने की पुष्टि की गयी है। इससे पहले नेपाल में तीन नवंबर को भी 6.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये थे। इसके कारण नेपाल में करीब 150 लोगों की मौत हो गयी। गत 15 और 16 अक्टूबर को भी दिल्ली, एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किये गये थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने दूसरी बार एशियाई चैम्पियंस ट्राफी जीती।

'नारी शक्ति' ने फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियाई चैम्पियंस ट्राफी जीतने की बधाई देते हुए कहा कि उनके शानदार कौशल, जुनून और दृढ़ संकल्प ने देशवासियों को गौरवान्वित किया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''भारत की नारी शक्ति ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ''

भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को फाइनल में जापान को 4-0 से हराकर दूसरी बार एशियाई चैम्पियंस ट्राफी जीती।

मोदी ने कहा, ''हमारी महिला हॉकी टीम को एशियाई चैम्पियंस ट्राफी 2023 में स्वर्ण पदक जीतने के लिये बधाई। उनके शानदार कौशल, जुनून और अथक दृढ़ संकल्प ने हमारे दिलों को गर्व से भर दिया है। '' उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाने के लिए चैम्पियंस को बधाई। ''

अलीगढ़ से आईएसआईएस से जुड़े दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ, छह नवम्बर (भाषा) उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आईएसआईएस से जुड़े दो लोगों को अलीगढ़ से गिरफ्तार कर उनके पास से प्रतिबंधित साहित्य और पेन ड्राइव बरामद किया है। एटीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एटीएस के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) मोहित अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पकड़े गये लोगों की पहचान अब्दुल्ला अर्सलान और माज बिन तारिक के तौर पर की गयी है और उन्हें अलीगढ़ के अलग-अलग स्थानों से रविवार को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि दोनों अलीगढ़ जिले के रहने वाले हैं। अग्रवाल ने बताया कि अब्दुल्ला अर्सलान के पास से मोबाइल फोन, पेन ड्राइव और आईएसआईएस का प्रतिबंधित साहित्य तथा माज के पास आईफोन समेत अन्य सामग्री बरामद की गयी है।

पीएफआई पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने पीएफआई और उससे संबद्ध आठ संगठनों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत पांच वर्षों के प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने पीएफआई की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

इजराइली बलों ने गाजा सिटी को घेरा, उत्तरी हिस्से को दक्षिण हिस्से से किया अलग

अब तक 10 हजार से अधिक फलस्तीनियों की हुई मौत

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। हमास शासित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल के साथ चल रहे युद्ध में 10 हजार से अधिक फलस्तीनियों की मौत हुई है। सोमवार को जारी ये आंकड़े दर्शाते हैं कि 75 वर्ष पहले इजराइल की स्थापना के बाद से यह संघर्ष का सबसे घातक दौर है। गाजा के चरमपंथी समूह हमास द्वारा सात अक्टूबर को इजराइल पर किये गये हमले के बाद से युद्ध चल रहा है। हमास के हमले में इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हमास ने लगभग 240 लोगों को बंधक बना लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल बलाह/एपी। इजराइली सेना ने बीती रात हमास शासित गाजा के उत्तरी हिस्से को दक्षिणी हिस्से से अलग करके ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इजराइली मीडिया ने बताया कि सैन्य बलों के शहर में सोमवार या मंगलवार को घुसने और वर्षों से तैयारी कर रहे आतंकवादियों के सुरंगों के बड़े नेटवर्क का इस्तेमाल कर सड़कों पर लड़ने की संभावना है। युद्ध में दोनों पक्षों की मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में फलस्तीन के 9,700 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमले में हुई। इसी हमले के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ है।

इजराइली सेना ने रविवार देर रात कहा कि उसने उत्तरी गाजा को दक्षिण से काट दिया है और इसे युद्ध में एक महत्वपूर्ण चरण करार दिया। सेना ने सोमवार को कहा कि विमानों ने रात भर 450 लक्ष्यों पर हमला किया और जमीनी कार्रवाई में शामिल सैनिकों ने हमास के एक परिसर को अपने कब्जे में कर लिया है। सेना के अनुसार, गाजा शहर और उत्तर के अन्य हिस्सों में रहने वाले हजारों फलस्तीनियों के लिए दक्षिण की ओर जाने के लिए एक-तरफ से गलियारा खुला हुआ है।

कर्म विपाक का चिंतन व संयम से आती है जीवन में जागरूकता : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र का संगाहन चल रहा है। उत्तराध्ययन सूत्र का उन्नीसवां अध्ययन है 'मियापुत्तिय अर्थात मृगापुत्र।' मृगापुत्र द्वारा प्रस्तुत नारकीय वेदना का अनुभूत वर्णन सुनकर मन में रोमांच हो उठता है और पाप कर्म से सहज ही विरती सी होने लगती है। इस अध्ययन में माता-पिता और पुत्र के संवाद की झलक बताई गई है, जिसका प्रत्येक स्वर वैराग्य में डूबा हुआ है। संसार में जन्म, मृत्यु, रोग, बुढ़ापा आदि के महादुख है इसलिए संसार को दुखमय कहा गया है। बीसवां अध्ययन है महाणियंठिज्जं अर्थात महानिर्गृंथीय, इसमें अनाथी मुनि के दृष्टांत का सुंदर वर्णन किया गया है।

ऐश्वर्य के अंबार लगने से या विराट परिवार होने से कोई नाथ नहीं होता है। नाथ वह है जो छह काय के जीवों का रक्षक है। श्रेणिक के समक्ष अनाथी मुनि ने जीवन के इस शाश्वत्य सत्य को उद्घाटित किया। धन से भी धर्म की महत्वता अधिक बताई गई है। इक्कीसवां अध्ययन है समुद्रपालिय्। इसमें समुद्रपाल के कथानक का वर्णन किया गया है। जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल मिलता है। एक छोटा सा निमित्त से व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन हो जाता है। कर्म विपाक का चिंतन करने से एवं संयम के द्वारा व्यक्ति के जीवन में जागरूकता आ जाती है।

इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी एवं साध्वी सर्वज्ञाश्रीजी ने मूल उत्तराध्ययन सूत्र का स्वाध्याय करवाया। साध्वी ऋषिताश्रीजी ने चातुर्मास कार्यक्रम संबंधी सूचनाएं दी। साध्वी प्रियंगीश्रीजी के अर्धमासखमण की तपस्या का पारणा अभिग्रह फलने पर हो गया है। स्वाध्याय के लाभार्थी शोभाबाई, प्रदीपकुमार, दीपककुमार सियाल परिवार थे। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संघ की सूचनाएं प्रदान की।

चेरिटी शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के केएच पटवा फाउंडेशन और पीकेएस फाउंडेशन द्वारा 38 बच्चों और उनके परिवारों को '12वीं पास' फिल्म का चेरिटी शो दिखाया गया। फाउंडेशन के विनोदकुमार पटवा, किशन कटारिया, अंकित बागरेचा ने कार्यक्रम का आयोजन किया तथा बच्चों को यह प्रेरणास्पद फिल्म दिखाई।

महादेव ऐप मामला

केंद्र को प्रतिबंध की मांग वाला कोई पत्र नहीं मिला : चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कांग्रेस के इस दावे को खारिज किया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महीनों पहले विवादास्पद महादेव ऐप पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठाई थी लेकिन केंद्र कार्रवाई करने में विफल रहा। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक 'नई कहानी' बना रही है कि उसने दो महीने पहले ही केंद्र को पत्र लिखा था।

कांग्रेस पर पलटवार करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने आरोप लगाया कि बघेल सरकार ने जानबूझकर जांच को डेढ़ साल तक खींचा क्योंकि वह सट्टेबाजी ऐप के जरिए 508 करोड़ रुपये हासिल करना चाहती थी। केंद्र ने रविवार को प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर महादेव ऐप और रेड्डीअन्नाप्रिस्टोप्रो के साथ-साथ 20 अन्य अवैध सट्टेबाजी मंचों को रोकने के आदेश जारी किए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में सोमवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय कई महीनों से महादेव ऐप मामले की जांच कर रहा है, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि इसे प्रतिबंधित करने में इतना समय लगा। रमेश ने आरोप लगाया, 'महादेव ऐप पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी सबसे पहले 24 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उठाई थी। उनकी प्रशंसा करने के बजाय, प्रधानमंत्री ने उनके खिलाफ ईडी को लगा दिया।' कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री इस

तथ्य के बारे में स्पष्ट रूप से झूठ बोल रहे हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार ने महादेव ऐप पर प्रतिबंध लगाने की मांग नहीं की थी। चन्द्रशेखर ने भोपाल में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' उन्होंने (छत्तीसगढ़ सरकार) डेढ़ साल पहले सट्टेबाजी ऐप की जांच की थी। यह छह मिनट की समस्या है कि यह एक अवैध ऐप है या असली।'

बघेल की ओर से प्रतिबंध लगाने की मांग के बारे में कांग्रेस के दावे पर एक सवाल का जवाब देते हुए चंद्रशेखर ने कहा, ''पहले ये बताइए कि उन्होंने जांच को 18 महीने तक क्यों खींचा? यदि उन्होंने (ऐप पर प्रतिबंध लगाने की मांग के संबंध में) लिखा है, तो उन्होंने (छत्तीसगढ़ सरकार) किसे लिखा, किस पते पर लिखा? क्या उन्होंने राहुल गांधी या सोनिया गांधी (दोनों पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष) को लिखा है? हमें कोई पत्र नहीं मिला।'' उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और राज्य पुलिस को पता है कि अधिसूचना किसे भेजी जानी है। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया '' उन्होंने (राज्य सरकार) कुछ नहीं किया और जानबूझकर जांच में डेढ़ साल की देरी की क्योंकि वे ऐप (महादेव सट्टेबाजी ऐप) के जरिए 508 करोड़ रुपये हासिल करना चाहते थे और उन्हें पैसा मिल गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सट्टेबाजी ऐप का मतलब अवैध और आपराधिक उद्यम है।

मुंद्रा बंदरगाह ने अक्टूबर में 1.61 करोड़ टन 'ढुलाई' का नया रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लि. (एपीएसईजेड) के प्रमुख मुंद्रा बंदरगाह ने अक्टूबर में 1.61 करोड़ टन माल ढुलाई (कार्गो हैंडलिंग) कर एक रिकॉर्ड बनाया है। भारत में किसी भी बंदरगाह द्वारा अबतक यह माल ढुलाई (माल चढ़ाने या उतारने) का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। एपीएसईज़ेड ने बयान में कहा, देश के सबसे बड़े बंदरगाह मुंद्रा बंदरगाह ने 210 दिन में 10 करोड़ टन का आंकड़ा पार कर लिया, जो पिछले साल के 231 दिन के रिकॉर्ड को पार कर गया।

बयान के अनुसार, मुंद्रा में कंटेनर में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत और तरल पदार्थ एवं गैस में 14 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसने केवल 203 दिन में 42 लाख टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाई) कंटेनर को संभालने का एक और मील का पत्थर हासिल किया, जो पिछले वित्त वर्ष में 225 दिन में हासिल किया गया था।

अडाणी-हिंडनबर्ग विवाद: जनहित याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर गौर करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री अडाणी समूह द्वारा शेयर के मूल्यों में हेरफेर के आरोपों से संबंधित जनहित याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के मामले पर गौर करेगी। जनहित याचिकाएं दायर करने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक की पैरवी कर रहे वकील प्रशांत भूषण ने प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से कहा कि याचिकाओं को 28 अगस्त को सूचीबद्ध किया जाना था।

भूषण ने कहा, ''मामला 28 अगस्त को सूचीबद्ध किया जाना था लेकिन इसे बार-बार टाला गया है।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''मैं रजिस्ट्री से इस बारे में पूछूंगा।'' न्यायालय ने 11 जुलाई को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अडाणी समूह द्वारा शेयर के मूल्यों में हेरफेर करने के आरोपों की चल रही जांच की स्थिति के बारे में पूछा था और कहा था कि जांच 14 अगस्त तक दिए गए समय में तेजी से पूरी करनी होगी। इसके बाद, बाजार नियामक सेबी ने जांच को लेकर स्थिति रिपोर्ट दायर की थी और कहा था कि वह कर पनाहगाह से सूचना मिलने का इंतजार कर रहा है।

भाजपा व ईडी महादेव ऐप के प्रवर्तकों को बचा रही: बघेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्र सरकार द्वारा महादेव सट्टेबाजी ऐप को बंद करने के एक दिन बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर ऐप प्रवर्तकों को बचाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावा किया कि उन्होंने उस ऐप को प्रतिबंध कर दिया है, जो पहले से ही भारतीय सर्वर में उपलब्ध नहीं है।

राजधानी रायपुर में संवाददाताओं से बघेल ने कहा कि केंद्र को देश में ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे फर्जी बैंक खातों की पहचान करनी चाहिए और उन्हें रद्द करना चाहिए, तभी ऐसे कृत्यों को नियंत्रित

किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''मैं पहले ही कह चुका हूं कि छत्तीसगढ़ चुनाव में अपनी हार की आशंका को देखते हुए भाजपा ने ईडी और आयकर विभाग (आईटी) को आगे किया हुआ है। ईडी मुख्य भूमिका में है.. जिस व्यक्ति (असीम दास का जिक्र) को गिरफ्तार किया गया है, वह भाजपा का करीबी बताया जाता है और वाहन (जिसमें पैसा जब्त किया गया) भी किसी भाजपा नेता का है। ईडी, जिसने कार्रवाई की है वह भी भाजपा की एक शाखा है।'' बघेल ने कहा, ''दो साल से (महादेव ऐप की) जांच चल रही है। उन्होंने (केंद्र) एक ऐप के परिचालन पर रोक लगा दी है जो पहले से ही भारतीय सर्वर प्ले स्टोर पर उपलब्ध नहीं है। उनका (केंद्र) इरादा इसे रोकने का नहीं है। वे (महादेव ऐप प्रवर्तक) सट्टेबाजी के लिए अपने ग्राहकों को एपीके (फाइल प्रारूप) भेजते हैं। वे इसके लिए व्हॉट्सऐप और टेलीग्राम चैनलों का उपयोग करते हैं जो अभी भी काम कर रहे हैं..इसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसे सभी समूहों पर देश में प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''जब तक ऑनलाइन सट्टेबाजी पूरी तरह से बंद नहीं हो जाती, कुछ भी रुकने वाला नहीं है। इस खेल में शामिल लोगों ने देश में लाखों फर्जी बैंक खाते खोले हुये हैं, जिनमें मोटी रकम का लेन-देन होता है। अधिकांश खाते राष्ट्रीयकृत बैंक में हैं और ये खाते अल्पावधि में बंद हो जाते हैं।

कांग्रेस और बीआरएस एक ही सिक्के के दो पहलू: गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

सावंत ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बीआरएस अपने लोगों को ''पानी, धन या नौकरी के अवसर प्रदान करने की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रही है जबकि इसी मकसद से तेलंगाना को अलग राज्य बनाया गया था।

सावंत ने आरोप लगाया, ''अप्रत्यक्ष रूप से, कांग्रेस और बीआरएस एक ही हैं। मैं तो कहूंगा कि वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कांग्रेस भ्रष्टाचार, कमीशन के लिए जानी जाती है और बीआरएस सांप्रदायिक दंगे कराती है।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस से जीतने वाले नेता बीआरएस में चले जाएंगे। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से ''पानी, विकास के लिए धन और नौकरियों'' की उनकी आकांक्षाओं को साकार करने तथा नए भारत के साथ एक नए तेलंगाना के निर्माण के लिए ''डबल इंजन सरकार'' चुनने का आग्रह किया।

गुजरात के दो पूर्व मुख्यमंत्री अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में सुरक्षित बचे

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और सुरेश मेहता सोमवार को अपने वाहनों से संबंधित अलग-अलग दुर्घटनाओं में सुरक्षित बच गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 10.30 बजे अहमदाबाद-राजकोट राजमार्ग पर रूपाणी के काफिले के एक वाहन ने 50 वर्षीय मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया।

पुलिस उपाधीक्षक सीपी मुंडवा ने कहा कि दुर्घटना सुरेंद्रनगर जिले के लिंबडी शहर के पास तब हुई जब प्रभु ठाकरशी नामक व्यक्ति अपने दोपहिया वाहन पर राजमार्ग पार करने की कोशिश कर रहा था और उसी समय पूर्व मुख्यमंत्री रूपाणी का काफिला गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा मामलों के प्रभारी रूपाणी राजकोट से गांधीनगर जा रहे थे।

मुंडवा ने कहा, ''काफिला तब रुक गया जब इसमें शामिल एक वाहन ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। रूपाणी, जो दूसरी कार में थे, वह भी उतरे और घायल व्यक्ति के बारे में जानकारी ली, जिसे काफिले के वाहन में लिंबडी के एक अस्पताल ले जाया गया। व्यक्ति के पैरों में मामूली चोट आई है।''

उत्तराखंड : निर्माणाधीन ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन की सुरंग में आग लगी

ऋषिकेश/भाषा। यहां निर्माणाधीन ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन की एक सुरंग में रखे रसायनिक पदार्थ में आग लग गयी। हालांकि, दुर्घटना में किसी तरह के जानहाल की कोई हानि नहीं हुई। यहां स्थित रेल विकास निगम लिमिटेड के परियोजना निदेशालय के मुख्य परियोजना प्रबंधक अजित सिंह यादव ने सोमवार को बताया कि रविवार की शाम को यह घटना परियोजना की सुरंग संख्या 15 में हुई जहां रखे रासायनिक पदार्थ में अचानक आग लग गयी । उन्होंने बताया कि आग पर आधा घंटे में काबू पा लिया गया और घटना में किसी तरह के जानहाल का नुकसान नहीं हुआ । यादव ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर मौजूद सभी मजदूरों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया । उन्होंने बताया कि सुरंग में पानी के रिसाव को रोकने के लिए प्रयुक्त होने वाले रसायन में आग लगी थी। आग बुझाने के एक घंटे बाद कार्यस्थल पर फिर से काम शुरु कर दिया गया और अब वहां स्थिति पूरी तरह से सामान्य है ।

पंजाब कैबिनेट ने तीर्थ यात्रा योजना को मंजूरी दी, व्यापारियों के लिए एकमुश्त कर निपटान योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब कैबिनेट ने सोमवार को बुजुर्ग लोगों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा योजना और व्यापारियों के लिए अपना बकाया कर चुकाने के लिए एकमुश्त निपटान योजना को मंजूरी दे दी। यह मंजूरी यहां मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक के दौरान दी गई। कैबिनेट की बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि कैबिनेट ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत वरिष्ठ नागरिक हजूर साहिब, माता चिंतपूर्णी मंदिर, माता ज्वालाजी मंदिर, नैना देवी मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थानों की बसों और ट्रेनों के माध्यम से निःशुल्क यात्रा कर सकते हैं।

इस योजना के तहत बुजुर्गों को अन्य राज्यों में धार्मिक स्थलों जैसे बिहार में पटना साहिब, उत्तर प्रदेश में अयोध्या राम मंदिर, राजस्थान में अजमेर शरीफ, पंजाब में आनंदपुर साहिब और जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा करने की भी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह योजना 27 नवंबर को गुरु नानक

देव के 'प्रकाश पर्व' पर शुरू की जाएगी।

वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना के लिए 40 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है और योजना के कार्यान्वयन के लिए एक उप-समिति भी बनाई गई है। इस योजना का लाभ उठाने वाले लोगों की स्वीकार्य आयु के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उप-समिति इस पर फैसला करेगी।

इसी तरह की एक योजना आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार दिल्ली में चला रही है। दिल्ली में 12 जुलाई, 2019 को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' शुरू की गई थी। केजरीवाल ने रविवार को दावा किया कि इस योजना के तहत दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के 75,000 से अधिक बुजुर्गों के लिए तीर्थयात्रा की सुविधा प्रदान की है।

घरेलू सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 60 गीगावाट तक पहुंच जाएगी: इक्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 60 गीगावाट (जीडब्ल्यू) तक पहुंचने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान लगाया है।

एजेंसी ने सोमवार को कहा कि अभी मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 37 गीगावाट है। इस तरह इसमें 62 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इक्रा ने कहा, मजबूत नीतिगत समर्थन और घरेलू स्तर पर बढ़ती मांग के अलावा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण इसके बढ़कर 100 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है।

पॉलिसिलिकॉन, वेफर, सेल और मॉड्यूल की विनिर्माण क्षमता में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ चीन का सौर पीवी मॉड्यूल आपूर्ति शृंखला में वर्चस्व है। इसकी तुलना में भारत में विनिर्माण क्षमता अपेक्षाकृत कम है। मध्यम अवधि में भारत में एकीकृत मॉड्यूल इकाइयों के आने की संभावना के साथ पीएलआई योजना से इसमें बदलाव की संभावना है।

जीएसटी और नोटबंदी से छोटे व्यापारियों तथा अन्य लोगों को गंभीर समस्याएं हुई : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धार (मप्र)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को आरोप लगाया कि जीएसटी और नोटबंदी ने छोटे व्यापारियों तथा अन्य नागरिकों को गंभीर रूप से परेशान किया है, इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों के लिये होने वाले मतदान से पहले लोगों से उनकी पार्टी की ओर से किये गये वादों और उनके कार्यान्वयन के बारे में जागरूकता का स्तर बढ़ाने का आग्रह किया।

मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल धार

जिले के कुक्षी शहर में रैली को संबोधित करते प्रियंका ने उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी इकाइयों (पीएसयू) के निजीकरण समेत सरकार की आर्थिक नीतियों के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, ''(केंद्र) सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को बंद कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप भयंकर बेरोजगारी हुई है। इसके बाद उन्होंने नोटबंदी लागू किया और फिर जीएसटी थोप दिया। जीएसटी ने छोटे व्यापारियों सहित सभी को परेशान किया है, जिसके कारण महंगाई बढ़ी है। उन्होंने दावा किया, जीएसटी हर चीज पर लागू है जिसके कारण छोटे व्यापारियों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके कारण महंगाई और बेरोजगारी हुई है। लोगों को हर चीज पर जीएसटी देना पड़ता है, यहां तक कि त्योहारों के दौरान छोटी-छोटी चीजों पर भी।'' केंद्र पर हमला करते हुए, प्रियंका ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को मुफ्त में उद्योगपतियों को दिया जा रहा है, चाहे वह भेल, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह आदि ही क्यों न हों, इस कार्रवाई से देश में बेरोजगारी पैदा हो रही है।

राजौरी में मिनी बस खाई में गिरी, 3 यात्रियों की मौत,15 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सोमवार को एक मिनी बस के सड़क से फिसलकर 300 फुट गहरी खाई में गिर जाने से तीन यात्रियों की मौत हो गयी और 15 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना कैंची मोड़ पर पूर्वाह्न करीब 11 बजे तब हुई, जब कोटरंका से राजौरी जा रही इस मिनी बस का चालक एक तीक्ष्ण मोड़ के पास वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना के तत्काल बाद बचाव अभियान शुरू किया गया और 18 लोगों को बाहर निकालकर सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) से संबद्ध राजौरी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया ।

चिकित्सा अधीक्षक महमूद एच बाजर ने बताया कि 15 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है तथा गंभीर रूप से घायल मरीजों की जान बचाने की कोशिश की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान अब्दुल रशीद (34), मोहम्मद शब्बीर (40) और मोहम्मद आजम (32) के तौर पर की गई है। उन्होंने बताया कि चार वर्षीय एक बच्ची समेत पांच घायलों की हालत नाजुक बतायी जा रही है।

दौरा

सोमवार को तुमकुरु जिले के गुब्बी तालुक के क्षेत्रों में सूखा से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा ने किया। उन्होंने किसानों से बातचीत की और सरकार द्वारा दी जा रही सहायता के बारे में भी पूछा।

मेरे और मेरी सरकार के खिलाफ प्रधानमंत्री के आरोप 'झूठ का पुलिंदा': सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने उन पर और उनकी सरकार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगाए गए आरोपों को झूठ का पुलिंदा' बताकर सोमवार को खारिज कर दिया और कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से ऐसी बातों की अपेक्षा नहीं थी। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के समर्थन में सबूत की भी मांग की।

चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के खंडवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस ने कर्नाटक को नुकसान पहुंचाया है और राज्य में विकास रुक गया है। उन्होंने यह भी कहा था कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री को नहीं पता कि वह कब तक राज्य के मुखिया रहेंगे।

मोदी ने दावा किया था, कांग्रेस भ्रष्टाचार करती है और जिन राज्यों में सरकार बनाती है, उन्हें बर्बाद कर देती है। वे आपसी कलह में लगे रहते हैं और उनके पास लोगों के लिए समय नहीं है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, 'जहां भी कांग्रेस की सरकार गलती से बन जाती है, वहां के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच राज्य को लूटने की होड़ लग जाती है और कर्नाटक से लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं।'

मोदी पर पलटवार करते हुए सिद्दरामैया ने प्रधानमंत्री के बयान को राजनीतिक और झूठ से भरा चुनावी भाषण करार दिया। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा है। वह (प्रधानमंत्री मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव) हारने के बाद निराश हैं। वह 48 बार राज्य में आए, लेकिन जहां भी वह प्रचार के लिए गए, रोड शो किए और रैलियों को संबोधित किया, वहां वे (भाजपा) हार गए। यही कारण है कि उन्होंने आज तक (विधानसभा में) विपक्ष का नेता नियुक्त नहीं किया है। प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस नेताओं पर लूट का आरोप लगाने के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने पूछा कि जब कर्नाटक में 40 प्रतिशत कमीशन की लूट हुई थी तो किस पार्टी की सरकार थी? उन्होंने कहा, हम इसकी जांच करा रहे हैं...प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी को इस बारे में बोलना चाहिए, है ना?

सिद्दरामैया ने कहा कि मोदी सबूत या दस्तावेजों के साथ आरोप लगा सकते हैं और एक प्रधानमंत्री होने के नाते, उन्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए या हल्की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर कोई सबूत या दस्तावेज हैं – उनके पास आईबी, रॉ, सीबीआई, खुफिया जानकारी है – तो उन्हें बताएं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने कभी देश के प्रधानमंत्री से इस तरह के बयान की उम्मीद नहीं की थी। यह उन्हें शोभा नहीं देता है।

सिद्दरामैया ने कहा कि मोदी ने चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में राजनीतिक और चुनावी भाषण दिया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि देश आर्थिक रूप से दिवालिया' हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर कर्नाटक सरकार के प्रति 'सौतेला रवैया' रखने का आरोप लगाया और कहा कि वे राज्य के बकाया का भुगतान करने में असमर्थ हैं।

उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार अभी तक सूखा राहत राशि जारी नहीं कर पाई है।' प्रधानमंत्री के इस आरोप कि कांग्रेस चुनाव पूर्व दी गई पांच गारंटी योजनाओं' को लागू नहीं कर सकती है, सिद्दरामैया ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने उन्हें लागू किया है और दिखाया है कि यह किया जा सकता है।

सभी समुदायों के लोग अपने नेता को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं : सतीश जारकीहोली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली ने सोमवार को कहा कि दलितों सहित राज्य में सभी समुदाय अपने किसी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, लेकिन इस संबंध में अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान को ही लेना है।' वाल्मिकी (अनुसूचित जनजाति) समुदाय के नेता जारकीहोली ने अपने समुदाय के संत के उस बयान को भी तवज्जो नहीं देने की कोशिश की, जिसमें उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखने की इच्छा जताई गई थी। मंत्री ने कहा कि यह एक पुराना मुद्दा है और इस तरह की मांग पहले भी विभिन्न कार्यक्रमों और मंचों पर की गई है।

कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री जारकीहोली ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, इसमें कोई नयी बात नहीं है, 2013 में भी दलित समुदाय से मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग की गई थी। यह मुद्दा बार-बार उठाया गया और उसके बाद पांच वर्षों तक चलता रहा, लेकिन तस्वीर साफ नहीं हो सकी, यह स्थिति है।

यह पूछे जाने पर कि ''तस्वीर कब साफ होगी'', उन्होंने जवाब दिया, हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। 2008 में भी खरगे जी (मल्लिकार्जुन खरगे) को दावेदार बनाकर दलित समुदाय से मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी थी, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला, जी परमेश्वर (अब गृह मंत्री) आठ साल तक पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रहे और उपमुख्यमंत्री बने, लेकिन उन्हें भी मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं मिला। राज्य में दलित समुदाय से मुख्यमंत्री बनाए जाने की उसकी (समुदाय की) मांग का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि यह पर पार्टी को निर्णय लेना है और इस मुद्दे पर पार्टी का निर्णय अंतिम होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या इस सरकार के (गठन होने के) ढाई साल बाद यह हो सकता है, जारकीहोली ने कहा, यह हमारे हाथ में नहीं है। पार्टी में आलाकमान, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष हैं, आपको उनसे पूछना होगा, मैं नहीं कह सकता। वे इसे स्पष्ट कर सकते हैं, इंतजार करिए और देखिए।

जी परमेश्वर के आवास पर एक हालिया रात्रिभोज बैठक में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, जारकीहोली और मंत्री एच सी महादेवप्पा की मौजूदगी को लेकर इस बारे में कयास लगाए जा रहे थे कि कमान परिवर्तन की स्थिति में परमेश्वर मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में हो सकते हैं। मुख्यमंत्री बदले जाने के संबंध में कांग्रेस पार्टी के अंदर दावे-प्रतिदावे के बीच यह बैठक महत्वपूर्ण मानी गई। जारकीहोली को मुख्यमंत्री बनाने संबंधी वाल्मीकि गुरुपीठ के संत प्रसन्नानंद स्वामीजी की मांग के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, स्वामी जी शुरू से यह कह रहे हैं, यहां तक कि हमारे सत्ता में आने से पहले से वह ऐस कह रहे हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं हैं। सामुदायिक मंचों पर यह मुद्दा उठा था, यह एक पुराना मुद्दा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में शामिल हैं, उन्होंने कहा कि यह मांग सभी समुदायों--दलित, लिंगायत, वोक्कालिगा--से है कि उनके नेता मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने कहा कि इसी तरह उन्हें भी मुख्यमंत्री बनाने की मांग है, और इसमें कुछ खास नहीं है। मध्य प्रदेश में एक चुनावी रैली में सिद्दरामैया के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए जारकीहोली ने कहा कि चुनावी सभाओं में राजनीति से प्रेरित आरोप लगाना आसान है, लेकिन उन्हें साबित करना कठिन होता है।

विशेष आत्म कौशल को प्रोत्साहित करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि विशिष्ट मस्तिष्क मानव संसाधन का एक अभिन्न अंग हैं और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर देश के विकास में भागीदार बनाना केंद्र और राज्य सरकारों का उद्देश्य है। उन्होंने बेंगलूरु में आयोजित दिव्य कला मेले के समापन समारोह में यह बात कही। हमारे देश के प्रधानमंत्रीजी के कुशल नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास मंत्र को साकार करते हुए केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में काम कर रहा है और दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए यह एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की एडिप योजना के तहत दृष्टिबाधितों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र, स्मार्ट फोन, लैपटॉप, डिजी प्लेयर और वॉकिंग स्टिक जैसे सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 100 से अधिक दिव्यांग कारीगरों, कलाकारों, उद्यमियों ने दिव्य

कला मेला में अपने कौशल, कला और उद्यमिता का प्रदर्शन किया। पिछले 10 दिनों से चल रहे इस मेले में अब तक 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिक्री हो चुकी है। इससे दिव्यांगों की आर्थिक स्थिति एवं आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। मैं कर्नाटक और बेंगलूरु के लोगों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और इस दिव्य कला मेले को सफल बनाने के लिए कलाकारों, कारीगरों, विकलांग उद्यमियों, गैर सरकारी संगठनों, मीडिया और जनता को बधाई देना चाहता हूं। इस मौके पर एनडीएफडीसी के सीएमडी नवीन शाह, आयुक्त दास सूर्यवंशी, कर्नाटक के विकलांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण विभाग के निदेशक श्री सिद्धेश्वर एन, एनडीएफडीसी फाउंडेशन के ट्रस्टी डॉ. पंकज मारू आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कर्नाटक भूविज्ञानी हत्याकांड

बर्खास्त ड्राइवर ने की थी गला रेतकर हत्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । खान एवं भूविज्ञान विभाग की उपनिदेशक प्रतिमा की राज्य की राजधानी के डोड्डाकलासंद्रा स्थित आवास पर मृत पाए जाने के एक दिन बाद पुलिस ने सोमवार को कहा कि उनके पूर्व कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। बेंगलूरु ग्रामीण जिले में उप निदेशक के रूप में कार्यरत 43 वर्षीय वरिष्ठ भूविज्ञानी प्रतिमा की रविवार को उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। पहले उनका गला दबाया गया था और फिर धारदार हथियार से रेंता गया था। पुलिस ने कहा कि क्षेत्राधिकारी सुब्रमण्यपुरा पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और संदेह के आधार पर तीन गिरफ्तारियां कीं। उनमें से एक प्रतिमा पूर्व ड्राइवर किरण कथित हत्यारा निकला। आरोपी अनुबंध के आधार पर काम करता था और पिछले सप्ताह उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, उस पर अधिकारियों की महत्वपूर्ण जानकारी और गतिविधियों को लीक करने का आरोप था। मृतक प्रतिमा ने उससे इस संबंध में सवाल किया था और उसे फटकार लगाई थी। हालांकि, किरण ने अपना रवैया नहीं बदला और सूचनाएं लीक करना जारी रखा, इसलिए उसे बर्खास्त कर दिया गया।

आरोपी ने प्रतिमा के प्रति द्वेष भावना के कारण उसे मारने का फैसला किया। वह जानता था कि प्रतिमा अपने फ्लैट पर अकेली रहती है। शनिवार की रात, वह उनके फ्लैट में घुसने में कामयाब रहा और उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। उसने उसका गला भी रेत दिया।प्रतिमा के भाई प्रतीश ने शनिवार रात उसे फोन किया था, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। सुबह जब दोबारा कॉल का जवाब नहीं मिला तो वह फ्लैट पर आया। जब उसने घंटी बजाने पर भी दरवाजा नहीं खुला तो उसने खिड़की से झाँकने की कोशिश की और उसका शव देखा।

दौरा

चिक्कबल्लापुर में सोमवार को भाजपा महासचिव सीटी रवि के नेतृत्व में राज्य भाजपा सूखा अध्ययन दल ने सूखे का अवलोकन करते हुए मिरलकुंटे और सिडलगट्टा तालुक के अड्डुलु गांव का दौरा किया। इस अवसर पर सीटी रवि ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि फिलहाल एक अपनी कुर्सी बरकरार रखने के लिए लड़ रहा है तो दूसरा सीट पाने के लिए लड़ रहा है।

सिंचाई पंप सेटों को 7 घंटे बिजली आपूर्ति : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य में सिंचाई पंप सेटों को 7 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने यह बात आज ऊर्जा विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।

उन्होंने कहा कि हमने पहले सिंचाई पंपसेटों को सात घंटे बिजली देने की घोषणा की थी क्योंकि राज्य में बिजली की कमी है। कुछ लोगों ने कहा कि तीन फेज में 5 घंटे बिजली काफी है। इसके लिए 3 फेज में 5 घंटे बिजली देने का निर्देश दिया गया था। रायचूर, कोप्पल, बेल्लारी, यादगिरि के किसानों ने मुलाकात कर अनुरोध किया कि धान की खेती के कारण 5 घंटे बिजली की आपूर्ति पर्याप्त नहीं है, 7 घंटे बिजली दी जानी चाहिए। चूंकि गन्ना और धान की कटाई हो चुकी है, इसलिए यह सूचित किया गया है कि इस हिस्से में 7 घंटे बिजली प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि शेष हिस्सों को जो बिजली दी जा रही है, उसे 7 घंटे और 5 घंटे देना संभव होगा।

विद्युत उत्पादन में वृद्धि

रायचूर और बेल्लारी में थर्मल इकाइयां हैं और राज्य थर्मल, जलविद्युत और सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली पैदा कर रहा है। थर्मल यूनिट से 1000 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। लगभग 2400 से 3200 मेगावाट तक बिजली उत्पादन बढ़ गया है। आरंभ में गन्ना मिलिंग से सह-उत्पादन के कारण 450 मेगावाट का उत्पादन होता है। कुडलगी में कर्नाटक के लिए 150 मेगावाट की बचत होगी और अधिक बिजली उपलब्ध होगी क्योंकि इसे खरीदा जा रहा है। इसलिए आज से हम पंपसेटों को 7 घंटे बिजली दे रहे हैं।

उद्योगों और घरों की बिजली नहीं काटी जा रही है। सरकार ने ही पंपसेट के लिए बिजली सब्सिडी दी है। उन्होंने कहा कि बजट में 13100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 1 नवंबर की घोषणा के अनुसार सरकार सरकारी प्राथमिक विद्यालयों और जूनियर कॉलेजों के लिए बिजली और पानी की लागत वहन करेगी। यह फैसला अगले मानसून तक बारिश नहीं होने की गणना के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि इसकी गणना जुलाई के अंत तक की गयी है।

रिपोर्टर के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, बिजली खरीद की मात्रा इस बात पर निर्भर करती है कि हम कितनी बिजली खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि 70 फीसदी थर्मल बिजली का उत्पादन हो रहा है और 1000 यूनिट तक बिजली बाहर से खरीदी जा रही है। स्थानीय और आयातित कोयले के मिश्रण का उपयोग करके बिजली उत्पन्न की जाती है। हमारे पास उत्तर प्रदेश और पंजाब के बीच विनिमय प्रणाली है। इसे अभी प्राप्त करें, हम उन्हें जून से भुगतान करेंगे। उन्होंने बताया कि उन्होंने किसी निजी व्यक्ति से बिजली नहीं खरीदी।

इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या सरकार के सामने गृहलक्ष्मी योजना के चिटफंड में 2000 निवेश करने का प्रस्ताव है, ऐसी कोई योजना सरकार के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को डीबीटी के माध्यम से 2,000 रुपये दिये जा रहे हैं और इसे जारी रखा जायेगा।

खान विभाग के अधिकारियों की हत्या के मामले में प्रतिक्रिया देते हुए इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और बताया जा रहा है कि वह मारे गए अधिकारियों के ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है।

भाजपा, जद (एस) के कई विधायक जल्द ही कांग्रेस में शामिल होंगे : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में भाजपा और जनता दल (एस) के कई विधायक, नेता और कार्यकर्ता स्वेच्छा से कांग्रेस में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ऑपरेशन हस्त में शामिल नहीं है। सिद्दरामैया ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद राज्य में मुख्यमंत्री बदला जाएगा या नहीं, यह कांग्रेस आलाकमान तय करेगा।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि मौजूदा विधायकों, पूर्व विधायकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं सहित भाजपा और जद (एस) के कई लोग कांग्रेस में आ रहे हैं तथा राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी ने उनपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाया है।

सिद्दरामैया ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'ऑपरेशन हस्त' चलाने का कोई सवाल ही नहीं है, जो भी पार्टी में आएगा हम उसे शामिल करेंगे। कोई 'हस्त' नहीं, कोई ऑपरेशन नहीं। जो कोई भी हमारी पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व को स्वीकार करते हुए पार्टी में आएगा – चाहे वह भाजपा से हो या जद(एस) से हो, क्या हम (उन्हें) 'ना' कह सकते हैं?'

भाजपा के ऑपरेशन 'लोटस' की तरह ऑपरेशन 'हस्त' (कांग्रेस का चुनाव चिह्न हाथ) सत्तारूढ़ पार्टी को और मजबूत करने और सरकार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए विपक्षी विधायकों को अपने पाले में लाने के कांग्रेस के कथित प्रयास के संदर्भ में है।

सिद्दरामैया ने हाल में अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ नाश्ते पर हुई बैठक के बारे में बात की और कहा कि जिला प्रभारी मंत्रियों और विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

अगले साल होने वाले संसदीय चुनाव से पहले, या उसके बाद राज्य में मुख्यमंत्री बदलने के बारे में भाजपा के एक नेता की कथित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, सिद्दरामैया ने कहा, वह हमारी पार्टी के मामले पर टिप्पणी क्यों कर रहे हैं? हमारे पास निर्णय लेने के लिए आलाकमान है। पिछले हफ्ते सिद्दरामैया ने कहा था कि वह पूरे पांच साल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनकी यह बात कांग्रेस में कुछ लोगों को पसंद नहीं आई और पार्टी के कई विधायकों और मंत्रियों ने इस बारे में टिप्पणी की। बाद में सिद्दरामैया ने कहा था कि आलाकमान जो भी फैसला लेगा वह उसका पालन करेंगे।

कर्नाटक की 13 साल की जलपरी ने पूल में फैलायी सनसनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/पणजी। कर्नाटक की धिनिधि देसिंघु कोई किशोरी नहीं हैं। 2010 में जन्मी यह तैराक वास्तव में जीवन में चीजों की 'खोज' करने की परवाह नहीं करती है और उनके कोच की मानें तो वह निर्देशों को सुनने और उन्हें लागू करने में सर्वश्रेष्ठ हैं। 13 साल की लड़की खुद को पूरी तरह से अंतर्मुखी बताती है और कहती है कि पांच साल पहले, अगर आपने मुझसे बात करने की कोशिश की होती, तो मैं आपसे बात नहीं कर पाती लेकिन हांग्झोऊ एशियाई खेलों में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय तैराक ने गोवा में जारी 37वें राष्ट्रीय खेलों में सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट पुरस्कार के लिए दावा पेश करने के लिए कैंपल स्विमिंग पूल में सात स्वर्ण पदक जीते।

धनिधि और उनकी कर्नाटक टीम की साथी नीना वेंकटेश दोनों ने तैराकी प्रतियोगिता के आखिरी दिन में पांच-पांच स्वर्ण पदक के साथ प्रवेश किया था और यह स्पष्ट था कि जो कोई भी 100 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग का खिताबी जीतेगी, वह अधिकतम स्वर्ण पदक जीतने के रिकॉर्ड को अपने नाम करेगी। बेंगलूरु की रहने वाली धनिधि ने कहा, सच कहूँ तो, मैं यहाँ इस बारे में कुछ भी सोचकर नहीं आई हूं। मैं बस इस बात से खुश थी कि मुझे यहां नौ स्पर्धाओं में तैरने का मौका मिल रहा है क्योंकि गुजरात में पिछले राष्ट्रीय खेलों में मुझे केवल दो स्पर्धाओं में तैरने का मौका मिला था। मैं सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी और जानती थी कि अगर मैं ऐसा कर सकी तो मैं जीतूंगी। धिनिधि 100 मीटर बटरफ्लाई और 200 मीटर बटरफ्लाई वर्ग में पदक से चूक गईं, जहां वह क्रमशः 7वें और 4वें स्थान पर रहीं। लेकिन उन्होंने 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 4गुणा100 फ्रीस्टाइल रिले, 4गुणा100 मेडले, 4गुणा200 फ्रीस्टाइल रिले, 4गुणा100 मिश्रित रिले और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में सात स्वर्ण पदक जीते।

तीसरी तिमाही में भारत से किए गए 1.6 अरब से अधिक साइबर हमले रोके !

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। । इस कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही में दुनिया भर में दो अरब से अधिक साइबर हमलों को रोका गया, जिनमें से 70 प्रतिशत (1.6 अरब से अधिक) भारत से किये गये थे। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। टीसीजीएफ-2 (टाटा कैपिटल) द्वारा वित्त पोषित एक सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस कंपनी इंडसफेस की रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा इस साल की दूसरी तिमाही (जिसमें 94.7 करोड़ हमले दर्ज किए गए) की तुलना में तीसरी तिमाही के दौरान भारतीय वेबसाइटों पर साइबर हमलों की आवृत्ति में 70 प्रतिशत की तेज वृद्धि को दर्शाता है।

विशेष रूप से, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, जहां शत-प्रतिशत साइटों को बॉट हमलों का सामना करना पड़ा, और बैंकिंग एवं बीमा उद्योग जहां 90 प्रतिशत को इसी तरह के हमलों का सामना करना पड़ा, सबसे कमजोर क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं। इस तिमाही में, 10 में से आठ वेबसाइटों ने खुद को बॉट हमलों द्वारा लक्षित पाया, और कुल बॉट हमलों की संख्या पिछली तिमाही की तुलना में 56 प्रतिशत अधिक रही।

भारत के अलावा, प्रमुख देश जहां से साइबर हमले शुरू हुए, वे अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और सिंगापुर थे। अन्य सबसे बड़े हमलों की श्रेणी में डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विसेज (डीडीओएस) शामिल है, जिनमें पिछली तिमाही में दो-तिहाई (67 प्रतिशत) से अधिक की वृद्धि देखी गई।

पुरस्कार

बेंगलूरु में सोमवार को अडानी ग्रुप के सहयोग से स्पेस मीडिया द्वारा गांधी मेमोरियल हॉल में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने निपुण व्यक्तियों को प्रतिष्ठित महात्मा गांधी सद्भावना अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में यूटी खादर, कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष यूटी खादर, धर्मस्थला के डी. सुरेंद्र कुमार, कन्नड़ फिल्म अभिनेता जयराम कृष्णा, प्रबंधन समिति के शेषशयन, एमएस रविराज आदि उपस्थित थे।

रेल पहिया कारखाना में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत 30 अक्टूबर को सभी आधिकारिक कार्यों में पारदर्शिता और सतर्क रहने और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए रेल पहिया कारखाना (आरडब्ल्यूएफ) के महाप्रबंधक द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ हुआ। इस सप्ताह के दौरान साइबर अपराधों के शिकार होने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नार्थईस्ट के डीसीपी लक्ष्मी प्रसाद द्वारा साइबर जागरूकता और सुरक्षा पर बातचीत आयोजित की गई।

यलहंका के स्कूल के बच्चों में ईमानदारी भावना जगाने और उनका पोषण करने के लिए उनके लिए निबंध लेखन, ड्राइंग और कार्टून बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

आरडब्ल्यूएफ के कर्मचारियों के लिए नियमों और विनियमों पर जागरूकता फैलाने के लिए निबंध, ड्राइंग और क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। 4 नवम्बर को समापन सत्र के दौरान आरडब्ल्यूएफ कर्मचारियों द्वारा भ्रष्ट होने के परिणाम पर एक नाटक का मंचन किया गया।

महाप्रबंधक आर. राजगोपाल समापन पर मुख्य अतिथि थे। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि ईमानदारी को जीवन का तरीका बनाना चाहिए। उन्होंने आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया और नाटिका के प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

समारोह के दौरान सतर्कता ई-बुलेटिन का विमोचन किया गया। इस मौके पर मुख्य सतर्कता अधिकारी, पीएचओडी आशीष वर्मा सहित रेल व्हील फैक्ट्री के सतर्कता विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हमारे नेताओं को सता रही केंद्र सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी तथा केंद्र सरकार कांग्रेस के नेताओं को सता रही हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों के नाम पर अमीरों की मदद कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जोधपुर में 'कांग्रेस गारंटी संवाद' कार्यक्रम में कहा, आज भाजपा के लोग और केंद्र सरकार हमारे नेताओं को सताने का काम कर रहे हैं। जो अच्छा काम कर रहे हैं उनको परेशान करने वाले कौन हैं?.. मोदी साहब हैं और भाजपा है। खरगे ने कहा कि अच्छा काम करने से जनता को ही फायदा होता है, उसका लाभ मुख्यमंत्री या कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के घर तो नहीं जाएगा, लेकिन चंद लोग, जनता का भला नहीं चाहते। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां जाते हैं वहां पहले ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) या इनकम टैक्स वालों को भेज देते हैं। खरगे ने कहा, ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई.... मोदी साहब जहां जाते हैं, पहले इन तीन एजेंसियों को प्रचार के लिए भेज देते हैं। उनको भेजकर फिर बाद में वे जाकर भाषण देते हैं।

खरगे ने कहा, मैं आपको यही कहना चाहता हूं कि गरीबों के नाम पर अमीरों को जो पैसा दिया जा रहा है वह मोदी साहब दे रहे हैं। गरीबों को नहीं दे रहे, दूसरी तरफ अपने दोस्तों को दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमेशा लोग बोलते हैं कि कोई भी राजा हो, कोई मुख्यमंत्री हो, वह गरीबों की मदद करता है। लेकिन यहां उलटा है। यहां गरीब के वोट से अमीर की मदद की जा रही है। इनके जमाने में अमीर अमीर बनता जा रहा है गरीब गरीब होता जा रहा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने संबोधन में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, पूरे देश में ईडी का आतंक है। यह मुद्दा बनेगा इस चुनाव में्। जानबूझकर कांग्रेस नेताओं को तंग किया जा रहा है। चुनाव में माहौल हमारे पक्ष में है और सत्ता पक्ष के पास कहने के लिए कुछ नहीं है।

मारवाड़ क्षेत्र में कल्याणकारी योजनाओं के साथ ही जाति समीकरण भी मतदाताओं की पंसद तय करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विधानसभा चुनाव

जोधपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का मुख्य मुद्दा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हाल के महीनों में घोषित की गई कल्याणकारी योजनाओं को माना जा रहा है। लेकिन क्या यह पार्टी के लिए राज्य में दूसरा कार्यकाल जीतने में सक्षम होगा? मारवाड़ क्षेत्र के लूनी, बिलाड़ा और ओसियां विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मिश्रित संकेत दे रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि बुजुर्गों के लिए पेंशन, सब्सिडी वाली रसोई गैस और महिलाओं के लिए मुफ्त स्मार्टफोन जैसी योजनाओं पर जाति समीकरण भारी पड़ सकता है।

लूनी विधानसभा क्षेत्र में, राशन की दुकान के बाहर इंतजार कर रही महिलाओं के एक समूह ने सरकार की उन योजनाओं की सराहना की जो पेंशन, मुफ्त स्मार्टफोन, राशन किट और 500 रुपये में सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर प्रदान करती हैं। गीता देवी ने कहा, सरकारी योजनाएं अच्छी हैं। मुझे पेंशन मिल रही है और एक स्मार्टफोन के साथ-साथ राशन किट भी मिला है। समूह में मौजूद अन्य महिलाओं ने सहमति में सिर हिलाया।

हालांकि, बिलाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के पुरुषों के एक समूह ने कहा कि मुफ्त स्मार्टफोन बांटने के लिए इस्तेमाल की गई धनराशि का उपयोग अन्य स्थानीय समस्याओं को हल करने के लिए किया जा सकता था। लक्ष्मण सिंह ने कहा, मोबाइल फोन की खरीद में करोड़ों रुपये का इस्तेमाल किया गया। हमारे क्षेत्र में पीने के पानी की और अन्य स्थानीय समस्याएं हैं। इस राशि का इस्तेमाल ऐसे बुनियादी मुद्दों को हल करने के लिए किया जा सकता था। वहां एकत्र अन्य लोगों ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना की सराहना की, जो एक परिवार को 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करती है।

राज्य में कुल 5.26 करोड़ में से लगभग 2.51 करोड़ महिला मतदाता हैं, इसे ध्यान में रखकर कांग्रेस ने उनके लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। पिछले पांच वर्षों में अशोक गहलोत सरकार का ध्यान महिला मतदाताओं पर रहा है और सरकार ने 34 अन्य महिला-केंद्रित योजनाएं चलाते हुए विशेष रूप से उनके लिए लगभग 10 नयी योजनाएं शुरू कीं्। कांग्रेस ने बिलाड़ा से मोहन लाल कटारिया और लूनी से महेंद्र बिश्नोई को मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा ने बिलाड़ा और लूनी से क्रमश: अर्जुन लाल गर्ग और जोगाराम पटेल को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि कल्याणकारी नीतियों और विकास के मुद्दों के बावजूद जातिगत समीकरण मतदाताओं की पसंद तय कर सकते हैं्।

जाति समीकरण के प्रभाव का हवाला देते हुए लूनी ब्लॉक के झालामंद गांव के पूर्व सरपंच ने कहा, विकास भले ही हुआ हो और योजनाओं को सराहना मिल रही हो, लेकिन लोग अब भी उसी तरह वोट देंगे, जैसा वे पीढ़ियों से करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव, उनके क्षेत्र के लोग हमेशा अपनी (पसंद की) पार्टी और अपनी जाति के समर्थक को वोट देते हैं। हालांकि, एक स्थानीय राशन डीलर ने जोर देकर कहा कि लोगों को योजनाओं के बारे में उतना याद नहीं रहता और वे हमेशा पीने के पानी और बेहतर सड़कों को प्राथमिकता देते हैं। ओसियां विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने भाजपा के भैरा राम के खिलाफ मौजूदा विधायक दिव्या मदेरणा को मैदान में उतारा है।

एक स्थानीय राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, इस बार यहां कांग्रेस और भाजपा उम्मीदवार के बीच सीधा मुकाबला है, जैसा 2013 में हुआ था। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 25 नवंबर को होगा और मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

भाजपा ने अन्य राज्यों की महिला नेताओं को चुनाव प्रचार में उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में जहां कांग्रेस महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए महिला केंद्रित कल्याण योजनाओं और गारंटी पर भरोसा कर रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जमीनी स्तर पर पैठ बनाने के लिए अन्य राज्यों की महिला नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतारा है।

राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 25 नवंबर को होंगे और मतगणना तीन दिसंबर को होगी। भाजपा राज्य महिला मोर्चा के अलावा, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर समेत अन्य राज्यों की महिला नेता भी मोदी सरकार की योजनाओं तथा कार्यक्रमों का प्रचार करने और महिलाओं, उनके परिवार के सदस्य तक पहुंचने के लिए राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में घूम रही हैं्।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्य महिला मोर्चा की प्रभारी दीप्ति रावत भारद्वाज ने कहा कि महिलाओं का मत भाजपा को मिले यह सुनिश्चित करने के लिए, एक रणनीति बनाई गई है।

भारद्वाज ने उदयपुर में बताया, राज्य की महिला मोर्चा सक्रिय है लेकिन चुनाव को लेकर बहुत दबाव है, इसलिए दूसरे राज्यों अनुभवी महिला नेताओं को भी बुलाया गया है। वे अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जा रही हैं्। घर-घर अभियान के लिए कई टीम का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि रणनीति के अनुसार प्रत्येक मंडल में दो टीमें एक सुबह और दूसरी शाम को काम करेंगी। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों की जिन महिला नेताओं को प्रचार में उतारा गया है, उनमें मौजूदा विधायक, पूर्व विधायक, वरिष्ठ पदाधिकारी, महापौर और उप महापौर भी शामिल हैं्। जिन सीटों पर कांटे की टक्कर है, उन्हीं सीटों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, राजस्थान के चुनाव महिला मतदाताओं की बड़ी भूमिका रहती है। चूंकि राज्य में 50 फीसदी महिला मतदाता हैं ऐसे में उन तक पहुंच बनाना जरूरी है। महिलाओं का वोट हमेशा भाजपा को जाता रहा है। इसका कारण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं वो करते हैं्।

उन्होंने बताया कि महिला मोर्चा के सदस्य जगह-जगह बैठकें कर रही हैं, घर-घर अभियान चला रही हैं और हर तरह से महिला मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं्। उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस राज में महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म और अत्याचार के मामले बढ़े हैं और कांग्रेस जिन योजनाओं की बात करती है, उनसे महिलाओं को कोई लाभ नहीं मिला है।

उन्होंने कहा, दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान सबसे ऊपर है, जो महिलाओं के सम्मान की रक्षा करने में सरकार की विफलता को दर्शाता है। कांग्रेस जिन योजनाओं की बात करती है, वे सिर्फ राजनीतिक लाभ लेने के लिए चुनाव से पहले शुरू की गई हैं्। उन्होंने कहा कि महिलाएं कांग्रेस के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करती हैं्।

दूसरी ओर, समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष एवं जयपुर के मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अर्चना शर्मा ने कहा कि पांच साल पहले सत्ता में आने के बाद गहलोत सरकार ने महिला केंद्रित योजनाएं शुरू कीं्।

चुनाव धर्मयुद्ध के बराबर, झूठ बोलने वालों को हटाने की जरूरत : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांचौर। सांचौर में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार झूठ बोलकर सत्ता में आई है। अब इस सरकार को उखाड़ फेंकना है और भ्रष्टाचार की जगह सुशासन देने वाली भाजपा सरकार बनानी है। उन्होंने जनता का आह्वान किया कि वे जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर मतदान करें्।

शेखावत सोमवार को सांचौर में भाजपा प्रत्याशी देवजी पटेल के समर्थन में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झूठ बोलकर ये सरकार राज्य में आई है। किसानों का ऋण माफ करने का वादा किया, लेकिन नहीं किया। उल्टे किसानों की जमीन नीलाम करवा दी। फसल बीमा में चोट की। इस सरकार ने किसानों से बाजरे की खरीद नहीं की। आत्म स्वाभिमानी किसान राजस्थान में भी आत्महत्या कर रहे हैं्।

उन्होंने कहा कि युवकों से बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया, लेकिन नहीं दिया। उल्टा पेपर लीक करवा दिए। युवाओं की मेहनत पर पानी फेर दिया। गहलोत कहते थे पेपर लीक में कोई अधिकारी और राजनेता शामिल नहीं है, लेकिन बाद में अधिकारी भी पकड़े गए। नेता भी पकड़े गए। ये भी जांच का विषय है कि पेपर लीक के सारे सांचौर तक कैसे जुड़ गए?

शेखावत ने कहा कि जिस राजस्थान की पहचान मीरा बाई की भक्ति, पन्नाधाय की स्वामिभक्ति, पद्मीनी के जौहर और कर्माबाई के खींच से थी। उस राजस्थान की पहचान अब महिला अत्याचार वाले प्रदेश के रूप में हो गई है। गहलोत सरकार ने राजस्थान को रेप की कैपिटल बना दिया। इस सरकार ने राजस्थान के मुंह पर कालिख पोतने का पाप किया है।

उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि मोदी जी के राज में घर-घर बिजली योजना आई्। गरीबों को उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन दिया। स्वच्छता अभियान चलाया। आजादी के 70 साल तक भी महिलाएं घरों से बाहर शौच के लिए जाती थीं्। उस कलंक को दूर किया। प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई्। हर घर नल योजना बनाई्। हालांकि, जल जीवन मिशन सहित अन्य केंद्रीय योजनाओं में राज्य में अच्छा काम नहीं हो रहा। जल जीवन मिशन योजना में राज्य को तीस हजार करोड़ पैसा दिया। फिर भी यह राज्य पूरे देश में निचले पायदान पर है। मिशन में भ्रष्टाचार हो गया। ईडी ने जांच शुरू की है, अब कई अधिकारी और नेता जेल जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये चुनाव धर्मयुद्ध के बराबर है। झूठ को हटाकर सत्य को जितना है। भ्रष्टाचार को हराकर सुशासन को लाना है। सनातन पर चोट हो रही है। सदियों से भारत की सनातन संस्कृति पर आक्रमण हो रहा है। कई विदेशी आंक्रांता आए, लेकिन राजस्थान के वीर बांकुरों ने सनातन को जिंदा रखा, लेकिन आज कांग्रेस के लोग इस सनातन पर हमला कर रहे हैं्। इस सनातन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकना है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य में माफिया राज पनप रहा है। खनन माफिया, पेपर लीक माफिया, बजरी माफिया और भी न जाने कितने प्रकार के माफिया पनप गए्। आपने एक वोट गलत दिया तो माफिया पनप गए्। आपने मोदीजी को एक वोट दिया तो साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर आ गए्। शेखावत ने कहा कि राज्य सरकार इस कार्यकाल में फेल हो गई्। पुरानी गारंटियां फेल हो गईं्। अब नई गारंटियां दे रहे हैं, जिसका किसी को विश्वास नहीं है। अन्नपूर्णा सामग्री किट में मिलावटी सामान दिया। किसान को बिजली नहीं दी। इससे फसल बर्बाद हो गई्। फिर नई गारंटी गोबर खरीदने की दी। केंद्र सरकार ने गोबरधन योजना चलाई थी। इसमें गोबर गैस प्लांट लगाना था। लेकिन इस सरकार ने पूरे राज्य में मात्र तीन प्लांट लगाए हैं्।

मुख्यमंत्री गहलोत ने नामांकन दाखिल किया, फिर सरकार बनाने का विश्वास जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर में सरदारपुरा विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और विश्वास जताया कि जनता एक बार फिर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाएगी। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि पांच साल के कार्यकाल के बाद भी उनकी सरकार के खिलाफ किसी तरह की 'सत्ता विरोधी लहर' नहीं है। जोधपुर में सरदारपुरा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज राजस्थान की खुशहाली और समृद्ध सरदारपुरा के संकल्प के साथ क्षेत्र के प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान गहलोत की पत्नी सुनीता गहलोत और पुत्र वैभव गहलोत भी उनके साथ थे। नामांकन दाखिल करने से पहले गहलोत ने अपनी बड़ी बहन विमला देवी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा इतिहास में पहली बार राज्य में ऐसी सरकार है जिसके खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी लहर' नहीं है। यह हमारे लिए, हमारी सरकार और कांग्रेस के लिए गर्व की बात है। पांच साल के कार्यकाल में किए गए फैसलों के कारण ऐसा माहौल बना है।

गहलोत ने कहा कि आज राजस्थान की चर्चा, हमारी योजनाओं की चर्चा देश भर में हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है, हमने हर क्षेत्र में नवाचार किया है और कामयाब हुए हैं्। आगामी विधानसभा चुनाव के नतीजों के बारे में उन्होंने कहा, मैंने अपना धर्म निभाया है। प्रथम सेवक के रूप में मुझे अवसर मिला तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का। अब जनता पर है कि वह क्या फैसला देती है। माई-बाप तो जनता ही होती है। वैसे गांव से लेकर ढाणियों तक में यह माहौल है कि इस बार सरकार रिपीट हो सकती है।

गहलोत ने कहा कि कोरोना काल में बेहतर प्रबंधन के कारण अगर केरल में 70 साल में पहली बार कोई सरकार रिपीट हो सकती है तो राजस्थान में क्यों नहीं ऐसा हो सकता? उन्होंने कहा, केरल में एक के बाद एक सरकार बदलती थी। सिर्फ और सिर्फ कोरोना काल में बेहतर प्रबंधन के कारण वहां की जनता ने सरकार रिपीट कर दी। हमारा प्रबंधन और भी शानदार था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) तक ने भीलवाड़ा मॉडल की तारीफ की। तो क्यों न हम यहां सरकार रिपीट होने की उम्मीद करें? यहां तो हमने के बाद एक स्कीमें दी हैं्। गारंटियां दे रहे हैं्।

गहलोत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उल्लेखनीय है कि जोधपुर जिले की सरदारपुरा सीट को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। इस सीट से 1999 से अशोक गहलोत लगातार जीतते आए हैं्। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें 63 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा ने सरदारपुरा सीट से महेंद्र सिंह राठौड़ को उम्मीदवार बनाया है जो जोधपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष हैं्।

कांग्रेस की फ्री योजनाएं एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरी जेब में डालने जैसी : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़/नोहर/बहरोड़्। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धराराजे ने कहा है कि कांग्रेस सरकार द्वारा जाते-जाते चलाई गई फ्री की योजनाएं एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी है। फ़्यूल सरचार्ज के नाम पर बिजली के बिलों में पहले तो जनता से साढ़े 56 करोड़ वसूल लिए्। अब उसमें से कुछ हिस्सा फ्री बिजली के नाम पर दे रहे हैं्। यानि लूटा ज़्यादा दिया कम। साढ़े 4 साल कांग्रेस जनता को आहत करती रही, अब चुनाव आ गये तो राहत का नाटक करने लगे।

पूर्व सीएम हनुमानगढ़ में भाजपा प्रत्याशी अमित चौधरी,नोहर में अभिषेक मटोरिया और बहरोड़ में डॉ.जसवंत यादव की नामांकन सभा में बोल रही थी। उन्होंने कहाकि भाजपा झूठें वादे नहीं करती, कांग्रेस झूठे वादों के बिना आगे नहीं बढ़ती। वादा करके भी कांग्रेस ने किसानों का कर्जा माफ़ नहीं किया तो किसान आत्म हत्या करने लगे। हमारी सरकार ने 27.15 लाख किसानों का 7 हज़ार 700 करोड़ का कर्जा माफ़ी किया।

पेपर लीक के कारण,युवाओं ने आत्म हत्या की। आज सबसे ज़्यादा बेरोज़गारी राजस्थान में है। भाजपा सरकार आएगी और पेपर लीक नहीं हो इसका इंतज़ाम करेगी। पूर्व सीएम ने कहा कांग्रेस दिमाग़ से काम करती है। तब ही तो सिर्फ़ चुनाव के समय काम करती है। बाक़ी समय नहीं्। जबकि हम दिमाग़ के साथ दिल का इस्तेमाल करते हुए हमेशा सेवा में जुटे रहते है। कांग्रेस लोगों को रुलाती है। हम लोगो के आसू पोछते हैं्। लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं्। उन्होंने कहा कि बहरोड के साथ-साथ कई क्षेत्रों के लिए जीवनदायिनी ईआरसीपी का काम हमने हमारे पिछले कार्यकाल में शुरू किया था। लेकिन, इस सरकार ने इसे राजनीति में उलझा दिया। अब हमारी सरकार आएगी और इस काम को गति मिलेगी।

दौसा में बस के रेलवे ओवरब्रिज से नीचे गिरने से चार लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में रविवार देर रात एक एक बस रेलवे ओवरब्रिज से नीचे गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई और 27 घायल हो गए्। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह ने सोमवार को बताया कि बस हरिद्वार से उदयपुर जा रही थी। रविवार देर रात लगभग 2.15 बजे यह हादसा हुआ्। चालक के नियंत्रण खो देने से बस ओवरब्रिज से नीचे रेल लाइन पर गिर गई्। पुलिस ने रेलवे अधिकारियों को सूचित किया और वहां से ट्रेनों की आवाजाही रोकी गई्। हादसे में दो महिलाओं तथा दो पुरुषों की मौत हो गई्।

अमित शाह आज तीन चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार को नागौर जिले में तीन विधानसभा क्षेत्रों - कुचामन, मकराना और परबतसर - में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार सुबह किशनगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहां से वह चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के लिये हेलीकॉप्टर के जरिये रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान शाह बिदियाद (परबतसर) में एक चौपाल सभा में भी शामिल होंगे।

एएमयू कुलपति के लिए तीन नामों का पैनल चयनित

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की सर्वोच्च शासी निकाय, एएमयू कोर्ट ने नए कुलपति के पैनल चयन के लिए सोमवार को एक विशेष बैठक में तीन नामों को सूचीबद्ध किया। एएमयू के कार्यवाहक कुलपति ने यह जानकारी दी। एएमयू के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज़ ने पत्रकारों को बताया कि पैनल के लिए तीन नामों का चयन किया गया है, जिनमें प्रोफेसर एम. उरूज रब्बानी, पूर्व डीन मेडिसिन विभाग एएमयू, प्रोफेसर फैजान मुस्तफा, पूर्व कुलपति, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नलसार और प्रोफेसर नईमा खातून, प्रिंसिपल महिला कॉलेज, एएमयू का नाम शामिल है। मोहम्मद गुलरेज़ ने बताया कि प्रोफेसर रब्बानी को सबसे अधिक 61 वोट मिले, प्रोफेसर फैजान मुस्तफा को 53 वोट जबकि प्रोफेसर नईमा खातून को 50 वोट मिले। उपरोक्त पैनल भारत के राष्ट्रपति को 'उनमें से किसी एक को कुलपति नियुक्त करने के लिए' भेजा जाएगा, जो विश्वविद्यालय के 'विजिटर' हैं ।

हरियाणा की बजाए दिल्ली पर ध्यान दें केजरीवाल : मनोहर लाल खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना को लागू करने में मदद की पेशकश करने के एक दिन बाद, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को पड़ोसी राज्य के अपने समकक्ष से राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता से लोगों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

खट्टर ने इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में पूरी तरह से सक्षम है और कहा कि अगर केजरीवाल को दिल्ली पर शासन करने में कोई समस्या आती है तो राज्य को उनकी मदद करने में खुशी होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार की ओर से हरियाणा में बुजुर्गों के लिए 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना लागू करने के कुछ दिन बाद केजरीवाल ने रविवार को कहा था कि भाजपा उनकी सरकार से सीख लेकर लोगों के लिए काम करने की कोशिश कर रही है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने योजना को लागू करने में खट्टर की मदद करने की भी पेशकश की।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, म्हार धाकड़ हरियाणा हर योजना के कार्यान्वयन में पूरी तरह से सक्षम है। उन्होंने कहा, दिल्ली में प्रदूषण की जिम्मेदारी लेते हुए नागरिकों की रक्षा की कीजिए। इस संकट के समय दिल्ली छोड़कर दूसरे राज्यों में घूमकर चुनाव प्रचार करना आपकी गैर जिम्मेदारी का परिचायक है। अगर दिल्ली का शासन चलाने में कोई तकलीफ आए तो पूछ लीजिएगा, आप की मदद करने में हमें भी बड़ी खुशी होगी। केजरीवाल रविवार को हरियाणा के रोहतक में पार्टी के एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह प्रदूषण का स्तर सरकार द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग सात से आठ गुना अधिक दर्ज किया गया। क्षेत्र के ऊपर जहरीली धुंध लगातार सातवें दिन भी बनी रही।

दिल्ली में केजरीवाल ने 12 जुलाई 2019 को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत, दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी के वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा के लिए मुफ्त यात्रा पैकेज प्रदान करती है।

कांग्रेस ने तेलंगाना का गठन करने में 14 साल की देरी की : मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवरकद्रा (तेलंगाना)/भाषा। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर वादा करने के बाद भी तेलंगाना राज्य के गठन में 14 साल की देरी करने का आरोप लगाया और राज्य के लोगों से 30 नवंबर के विधानसभा चुनावों में पार्टियों की साख के आधार पर वोट करने की अपील की।

यहां एक चुनावी रैली में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख राव ने लोगों से उनकी पार्टी के उम्मीदवार को वोट देने का अनुरोध किया। उन्होंने लोगों से कहा कि उन्हें वोट देने से पहले राजनीतिक दलों के पिछले प्रदर्शन के बारे में पता होना चाहिए। राव ने आरोप लगाया, ''उन्होंने (कांग्रेस) हमारी पार्टी को समाप्त करने की कोशिश की। उन्होंने हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश की। तेलंगाना के गठन के वादे के बावजूद, उन्होंने हमारे 14 साल के संघर्ष के बाद ही राज्य का गठन किया, और वह भी तब, जब मैंने राज्य की मांग को लेकर आमरण अनशन किया।'' बीआरएस प्रमुख ने कहा कि आंदोलन के दौरान अलग तेलंगाना की मांग करते हुए कई लोगों की मौत हो गई, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने नए राज्य के गठन को मंजूरी देने में देरी की। अविभाजित महबूबनगर जिले (पलामुरु) का जिक्र करते हुए केसीआर ने कहा कि उनकी सरकार ने पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने वाली कई परियोजनाएं पूरी की हैं।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार से आवारा पशुओं की समस्या पर स्पष्टीकरण मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में आवारा पशुओं की समस्या पर सोमवार को राज्य की भाजपा सरकार से स्पष्टीकरण मांगा।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पूछा, छुट्टा पशुओं के लिए भाजपा सरकार स्पष्टीकरण दे : - भाजपा शासन में कितने लोग छुट्टा पशुओं की वजह से मारे गये या घायल हुए - छुट्टा पशुओं के कारण जिनकी मौत हुई, उनमें से कितनों को मुआवज़ा दिया गया और कितना दिया गया? उन्होंने आगे पूछा, जो गौशालाएं खोली गयीं हैं उनमें कुल कितने छुट्टा पशु हैं, गौशालाओं के काम का आंकलन कब किया गया और उसके क्या परिणाम निकले? अधिकतर गौशालाओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के ख़िलाफ़ क्या कार्रवाई की गयी? यादव ने यह सवाल भी किया कि इस समस्या से निपटने के लिए नियुक्त किये गये अधिकारियों ने क्या किया। उन्होंने कहा ''चुनाव के बाद इस समस्या का पंद्रह दिन में समाधान निकालने की जो बात की गयी थी वह वचन था या जुमला? वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान, भाजपा नेताओं ने सरकार बनने के 15 दिनों के भीतर, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान निकालने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उस चुनाव में इस समस्या का जिक्र किया था।

ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां सहकारिता क्षेत्र को बर्बाद करने की मंशा से आ रही हैं केरल : विजयन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों पर राज्य में सहकारी क्षेत्र के बैंकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि देश के अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के प्रति केंद्र ने अपनी आंखें मूंद रखी है।

विजयन ने आरोप लगाया कि ईडी जैसी एजेंसियां सहकारिता क्षेत्र को बर्बाद करने के गलत इरादे के साथ केरल आ रही हैं ताकि वे प्रदर्शित कर सकें कि यहां सहाकारी बैंकों में कुछ गलत हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के राजनीति से प्रेरित कदमों को राज्य में न तो स्वीकार किया जाएगा और न ही इसकी अनुमति दी जाएगी। मुख्यमंत्री यहां सहकारी क्षेत्र की सुरक्षा विषय पर आयोजित एक सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद इसे संबोधित कर रहे थे। विजयन ने कहा कि राज्य में सहकारी क्षेत्र के बैंकों में 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि है। ये बैंक प्रभावकारी तरीके से और पेशेवर रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''इस क्षेत्र को बर्बाद करने के मकसद से केंद्रीय एजेंसियां यहां आ रही हैं।''

बिहार सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत कर लगाने के अध्यादेश को बदलने को विधेयक पेश किया

पटना/भाषा। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के लिए इसको लेकर पूर्व में जारी अध्यादेश को बदलने के लिए बिहार माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2023 राज्य विधानसभा में पेश किया। इस संबंध में सितंबर में केंद्र की अधिसूचना के बाद एक अक्टूबर से राज्य में ऑनलाइन गेमिंग, घुड़दौड़ और कसीनो पर अतिरिक्त कर लागू है। बिहार के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा में इस संबंध में विधेयक पेश किया।

चौधरी ने पीटीआई-भाषा से बात करते हुए कहा, ''केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सितंबर में ऑनलाइन मनी गेम्स, कसीनो, घुड़दौड़, सट्टेबाजी, जुए और लॉटरी पर 28 प्रतिशत का एक समान जीएसटी लागू करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। राज्य में नई कर व्यवस्था एक अक्टूबर से लागू है। अब अध्यादेश को संशोधन विधेयक द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि इस कर के लगने से राज्य को निश्चित रूप से अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

जाति सर्वेक्षण : शाह के आरोप पर बिहार सरकार ने कड़ी आपत्ति जतायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस आरोप पर कड़ी आपत्ति जताई कि ''तुष्टिकरण की राजनीति'' के तहत राज्य के जाति सर्वेक्षण में जानबूझकर मुस्लिमों एवं यादवों की आबादी को बढ़ाकर दिखाया गया है। बिहार के संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि एक दिन पहले मुजफ्फरपुर में भाजपा की रैली में शाह का संबोधन तर्कहीन था और जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति के लिए यह अशोभनीय था।

चौधरी ने जोर देकर कहा, ''यादव ओबीसी समूह में हैं, यह तथ्य सभी को पता है। फिर भी गृह मंत्री ने दावा किया कि अन्य ओबीसी को उनका हक देने से इनकार करने के लिए उनकी संख्या बढ़ा दी गई है। इस तर्क का कोई मतलब नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''गृह मंत्री को यह भी बताना चाहिए था कि उनके दावे का आधार क्या है। अगर उन्हें लगता है कि जाति सर्वेक्षण के आंकड़े गलत हैं तो उन्हें इस बात का अंदाजा होगा कि सटीक आंकड़े क्या हो सकते हैं। वह इस नतीजे पर कैसे पहुंचे।'' जदयू के वरिष्ठ नेता चौधरी ने शाह के इस दावे का मज़ाक उड़ाया कि भाजपा ने जाति सर्वेक्षण कराने के निर्णय का ''समर्थन'' किया था। उन्होंने कहा कि यदि उनका तर्क यह है कि फर्जीवाड़ा (डेटा के संकलन में) हुआ है, तो क्या वे स्वीकार कर रहे हैं कि वे भी इस धोखाधड़ी में शामिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने सर्वेक्षण कराने का निर्णय तभी लिया जब केंद्र ने जाति जनगणना के लिए अपनी अनिच्छा स्पष्ट कर दी थी। मुख्यमंत्री के भरोसेमंद सहयोगियों में से एक चौधरी ने आरोप लगाया, ''वह (भाजपा) यह दावा करते हैं कि वे जातिवाद से ऊपर हैं, लेकिन कल गृह मंत्री ने स्पष्ट रूप से कुछ समुदायों का नाम लेकर सामाजिक विभाजन के माध्यम राजनीतिक लाभ हासिल करने का एक कुत्सित प्रयास किया।''

सांप के जहर मामले में एल्विश यादव की भूमिका की जांच कर रहे पुलिस उपनिरीक्षक का तबादला

नोएडा (उप्र)/भाषा। यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ अवैध रूप से सांप के जहर की बिक्री के मामले की जांच कर रहे नोएडा पुलिस के एक उपनिरीक्षक का तबादला कर मुकदमे को दूसरे पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-49 पुलिस थाने के प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप चौधरी का पुलिस लाइन्स में तबादला कर दिया गया है।

पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, ''नोएडा, सेक्टर-49 के थाना प्रभारी का पुलिस थाना क्षेत्र के तहत अपराध पर प्रभावी रूप से नियंत्रण लगाने में उनकी अक्षमता के कारण रिजर्व पुलिस लाइन में तबादला कर दिया गया है।'' एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अपनी पहचान गुप्त रखते हुए सोमवार को बताया कि मामले को आगे की जांच के लिए नोएडा सेक्टर-20 पुलिस थाना स्थानांतरित कर दिया गया है।

आवासीय स्कूलों की छात्राओं के शौचालय के लिए राष्ट्रीय आदर्श नियमावली बनाएं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह देश के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और आवासीय स्कूलों में छात्राओं के लिए उनकी संख्या के आधार पर शौचालयों के निर्माण को लेकर राष्ट्रीय आदर्श नियमावली बनाए।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने इसके साथ ही केंद्र सरकार से उस नीति के बारे में सवाल किया जिसे उसने पूरे देश में छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन वितरित करने के लिए बनाया है। इस पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को सेनेटरी नैपकिन वितरण में एकरूपता लानी चाहिए। सुनवाई के दौरान केंद्र ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि स्कूल जाने वाली लड़कियों को मुफ्त में सेनेटरी नैपकिन बांटने के लिए राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार किया गया है और उसे हितधारकों को उनकी राय जानने के लिए भेजा गया है।

न्यायालय ने इससे पहले उन राज्यों को आगाह किया जिन्होंने स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों की मासिक धर्म स्वच्छता के लिए एक समान राष्ट्रीय नीति बनाने की केंद्र की पहल का जवाब नहीं दिया है।

माफिया अतीक अहमद की 12.5 करोड़ मूल्य की जमीन कुर्क

प्रयागराज/भाषा। भू माफियाओं के खिलाफ योगी आदित्यनाथ सरकार की कार्रवाई के तहत सोमवार को माफिया अतीक अहमद की अवैध कमाई से अधिगृहित की गई 12.5 करोड़ रुपये मूल्य की बेनामी भूमि कुर्क की गई। सहायक पुलिस आयुक्त (धूमनगंज) वरुण कुमार ने बताया कि आज पुलिस आयुक्त के आदेश के क्रम में माफिया अतीक अहमद की जमीन की जब्तीकरण की कार्रवाई की गई है, यह कार्रवाई गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत की गई है। उन्होंने बताया कि थाना एयरपोर्ट अंतर्गत कटहुला गौसपुर में यह अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति थी जो राजमिस्त्री हूब लाल के नाम पर थी। उन्होंने बताया कि यह 23,447 वर्ग गज जो करीब 5.5 हेक्टेयर है, जिसकी अनुमानित कीमत 12.5 करोड़ रुपये है। कुमार ने बताया कि यह जमीन 16 गाटों में बंटी हुई है और इन सभी 16 गाटों पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। यहां मुनादी कराके सभी को बता दिया कि अब यह जमीन सरकार की तरफ से जब्त की जा चुकी है इसलिए इस पर कब्जा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम बंगाल के मालदा में मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा

इंग्लिश बाजार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में सोमवार को एक मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब 12:30 बजे हरिश्चंद्रपुर स्टेशन पर हुई। यह मालगाड़ी झारखंड के पाकुड़ से बिहार के कटिहार जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि चूंकि घटना लूप लाइन में हुई, इसलिए ट्रेन सेवाएं बाधित नहीं हुई। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारी ने कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई है।

स्मिथ ने माना, भारत और दक्षिण अफ्रीका को हराना मुश्किल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि उनकी टीम ने विश्व कप में सही समय पर अपना चरम हासिल किया है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि भारत और दक्षिण अफ्रीका को हराना बेहद मुश्किल होगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं तथा ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को यहां होने वाले मैच में अफगानिस्तान पर जीत दर्ज करके अंतिम चार में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनने की कोशिश करेगी।

स्मिथ ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा,''आप सही समय पर अपने चरम पर पहुंचाना चाहते हैं लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए आपको निश्चित तौर पर अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि अगर हम वहां पहुंचने में सफल रहे तो यह इसकी खूबसूरती होगी।'' उन्होंने कहा,''आप जानते हैं कि हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और हमने पहले तो मैच गंवा दिए थे। उसके बाद हमने अच्छी प्रगति की लेकिन अभी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर हम काम कर सकते हैं।''

स्मिथ ने कहा कि भारत की टूर्नामेंट की दूसरी सर्वश्रेष्ठ टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बड़ी जीत ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आगे की चुनौती और अधिक कड़ी कर दी है। उन्होंने कहा,''कल का मैच हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि अगर हम जीत दर्ज करते हैं तो आगे बढ़ जाएंगे। मेरा मानना है कि आप सही समय पर अपने चरम पर पहुंचाना चाहते हैं तथा अभी शीर्ष पर काबिज दोनों टीम बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। विशेष कर भारत जिसने दूसरे नंबर की टीम दक्षिण अफ्रीका को कल आसानी से पराजित किया।''

स्टीव स्मिथ ने कहा,''उन्हें हराना मुश्किल होगा और इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि हम भी अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं इसलिए उम्मीद है कि हमारे लिए भी वह दिन अच्छा हो सकता है। हम खुद को उस स्थान पर पहुंचाएंगे और अपने लिए मौका बनाएंगे।''

मिजोरम जाने की हिम्मत नहीं कर सके प्रधानमंत्री : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मिजोरम का दौरा करने की हिम्मत नहीं कर सके, क्योंकि उन्हें मणिपुर नहीं जाने की वजह से आलोचना का डर था।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि आखिर इसके लिए क्या करना होगा कि प्रधानमंत्री मणिपुर पर अपनी चुप्पी तोड़ें या वहां के सांसदों और विधायकों से मिलें? प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार मिजोरम के लोगों को संबोधित करते हुए एक वीडियो संदेश में कहा था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक 'शानदार मिजोरम' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस चुनावी राज्य के लोग उनके परिवार के सदस्यों की तरह हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने रेलवे, स्वास्थ्य, खेल और अन्य क्षेत्रों से संबंधित बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' प्रधानमंत्री को कुछ घंटों के लिए भी मिजोरम जाने की हिम्मत नहीं हुई और उन्होंने मणिपुर जाने की अनिच्छा के कारण आलोचना के डर से अपनी यात्रा रद्द कर दी। मणिपुर 6 महीने से अधिक समय से उबल रहा है। उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) मिज़ोरम के लिए एक प्रचार अभियान वीडियो जारी किया।

ताइक्वांडो — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हैदराबाद में 19-21 दिसंबर, 2023 को होने वाले ताइक्वांडो प्रीमियर लीग (टीपीएल) 1.2 की घोषणा के दौरान एक्शन में ताइक्वांडो खिलाड़ी।

भावनाओं को काबू में रखना मेरे खेल का अहम हिस्सा : विराट कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49वां शतक लगाकर महान सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले विराट कोहली ने कहा कि अपनी भावनाओं को काबू में रखकर शांतचित बने रहना उनके खेल का अहम हिस्सा है। कोहली ने रविवार को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 101 रन बनाकर तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा,''मैं हमेशा अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को काबू में रखना चाहता हूं। यह मेरे खेल का अहम हिस्सा है। इसलिए मैच से पहले मैं इसको लेकर सचेत रहता हूं।'' यह अलग बात है कि तेंदुलकर का बधाई संदेश अभी उनकी आंखें नम कर सकता है। इसके अलावा वह तब अभिभूत हो गए थे जब आमतौर पर शांत रहने वाले रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप 2022 में मेलबर्न में भारत की पाकिस्तान पर जीत के बाद खुलकर जश्न मनाया था।

कोहली ने कहा,''मैं लंबे समय से रोहित के साथ खेल रहा हूं लेकिन मैंने उसे कभी इस तरह से जश्न मनाते हुए नहीं देखा।'' कोहली ने उस मैच में 53 गेंद पर नाबाद 82 रन बनाए थे और भारत को जीत दिलाई थी। उन्होंने तब शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ जैसे गेंदबाजों का डटकर सामना किया था। उन्होंने कहा,''उनका सामना करने के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं की गई थी क्योंकि इतने वर्षों में आप 140, 145 और 150 किमी की रफ्तार से की जाने वाली गेंदों का सामना करने के अभ्यस्त हो जाते हैं। आपको केवल चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार होना चाहिए।''

कोहली ने कहा,''हम इतने वर्षों तक पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करते रहे हैं लेकिन उसे दिन वह हम पर हावी हो गए थे। इसे स्वीकार करना कोई शर्म की बात नहीं है। वह हम सभी के लिए एक सबक था। हम यह सोचकर मैच नहीं खेल सकते कि हमें अतीत में मिली हार का बदला लेना है।''

विश्वकप में भारतीय प्रशंसकों के समर्थन से प्रेरित हो रही टीम : कप्तान शाहिदी

मुंबई/भाषा। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान की टीम विश्व कप के दौरान भारतीय प्रशंसकों के समर्थन से काफी हद तक प्रेरित हुई है और मानसिकता में बदलाव से उनकी टीम पिछले चरण की तुलना में इस टूर्नामेंट में ज्यादा जीत हासिल करने में सफल रही है।

अफगानिस्तान लगातार तीन मैच जीतकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाने का लक्ष्य बनाये है जिससे टीम लीग चरण के अंतिम दो मैच जीतने की कोशिश करेगी और मंगलवार को यहां आस्ट्रेलिया से भिड़ेगी

शाहिदी ने मैच पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हम जैसा यहां खेल दिखा रहे हैं, स्वदेश में सभी इसे पसंद कर रहे हैं। देशवासी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और हमारी उपलब्धियों से बहुत खुश हैं। '' उन्होंने कहा, ''भारतीय लोगों ने हमारा पूरे टूर्नामेंट में समर्थन किया है। वे प्रत्येक मैच में स्टेडियम में आ रहे हैं और हमारा समर्थन कर रहे हैं। इससे हमें प्रेरणा मिल रही है। ''

शाहिदी ने कहा कि मैदान के बाहर भी भारतीय प्रशंसक पूरा समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''साथ ही मैदान के बाहर जब वे हमें पहचानते हैं कि हम अफगानिस्तान टीम के खिलाड़ी हैं तो वे हमें बहुत सम्मान और प्यार देते हैं। '' उन्होंने कहा, '' इनमें से एक व्यक्ति जो एक टैक्सी ड्राइवर था, मुझे बिना पैसे ही मेरे गंतव्य तक ले गया। भारत में लोग हमें इसी तरह प्यार दे रहे हैं।

सुविचार

खुद की ज़िंदगी से ज्यादा, उन्हें लोगों की फिक्र है। एक दूसरे से जलने की, बीमारी में आज हर शख्स गिरफ्त है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भूकंप: कैसे बचेंगी ज़िंदगियां?

इस साल दुनियाभर में भूकंप संबंधी हादसों में हजारों लोगों की मौतें हुईं। तुर्किए, अफगानिस्तान में इन मौतों का आंकड़ा काफी ज्यादा रहा। अब नेपाल भी उन देशों में शामिल हो गया, जिन्हें भूकंप गहरे घाव देकर गया है। इस हिमालयी देश में शुक्रवार को आए भूकंप से हजारों लोग बेघर हो गए हैं। उन्हें मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल रहीं। ये कल तक इस स्थिति में थे, जब इनके सिर पर छत थी और थाली में खाना था। आज ये खुले आसमान के नीचे भूखे पेट सोने को मजबूर हैं। चूंकि पहाड़ी इलाकों में रास्ते दुर्गम हैं। वहीं, भूकंप के कारण रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं, इसलिए कई लोगों के पास अब तक राहत सामग्री नहीं पहुंची है। जान गंवाने वालों में कई लोग तो ऐसे थे, जो त्योहार मनाने घर आए थे। देर रात जब भूकंप आया तो उनकी छत ही उन पर भरभराकर गिर गई। रात को ऐसी कोई सुविधा नहीं थी, जिसका उपयोग कर इतनी बड़ी संख्या में लोगों को मलबे से निकाला जा सके। भूकंप एक ऐसी चुनौती है, जिससे बचाव के लिए अब तक कोई पुख्ता प्रणाली विकसित नहीं की जा सकी है। आधुनिक उपग्रहों से बारिश, आंधी, तूफानों का तो पता लगाया जा सकता है, जिससे हर साल बड़ी संख्या में लोगों की जानें बचाई जा रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि कुछ दशक पहले तक चक्रवाती तूफानों में हजारों लोगों की जान चली जाती थी। नवंबर 1970 में आए एक चक्रवाती तूफान से तो पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में पांच लाख लोगों की मौतें हो गई थीं। भारत के निकटवर्ती इलाकों में भी उसका असर देखा गया था।

पिछले कुछ वर्षों से पश्चिमी देशों में इस पर काफी काम हुआ है। वहां 'कंटेनर हाउस' के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। 'कंटेनर' का नाम सुनते ही प्रायः लोगों के मन में एक ऐसी चीज की छवि उभरती है, जो तकरीबन कबाड़ चुकी हो, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।

आज उपग्रह एक तरह से कवच का काम कर रहे हैं। क्या हम ऐसे कवच का निर्माण नहीं कर सकते, जो लोगों को भूकंप संबंधी हादसों से सुरक्षित रख सके? इस चुनौती से पार पाने के लिए वैज्ञानिकों को मंथन करना होगा। जिन इलाकों में भूकंप का खतरा ज्यादा है, वहां ऐसे घरों का निर्माण करना होगा, जो भूकंप के झटके आसानी से झेल जाएं। पिछले कुछ वर्षों से पश्चिमी देशों में इस पर काफी काम हुआ है। वहां 'कंटेनर हाउस' के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। 'कंटेनर' का नाम सुनते ही प्राय: लोगों के मन में एक ऐसी चीज की छवि उभरती है, जो तकरीबन कबाड़ चुकी हो, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। इन घरों को बहुत सुंदर तरीके से डिजाइन किया गया है। इन पर धातु के साथ ऐसे पदार्थों की परत लगाई जाती है, जो बहुत गर्मी और बहुत सर्दी के असर को कम कर देती है। यही नहीं, इन पर खास तरह का पेंट करने के बाद ये लंबे समय तक प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। ये रंग-रोगन के बाद किसी बंगले से कम नहीं लगते। इन्हें एक मजबूत आधार पर स्थापित किया जाता है, जिससे ये आंधी-तूफान में स्थिर रहते हैं। ये भूकंप के झटके भी सहन कर जाते हैं। अभी इस तकनीक पर और शोध करने की जरूरत है। इन 'घरों' में सुधार की पर्याप्त गुंजाइश है। भारत की भौगोलिक और मौसमी दशाओं के अनुसार बदलाव कर इन्हें और बेहतर बनाया जा सकता है। यूट्यूब पर ऐसे घरों के वीडियो आसानी से मिल जाते हैं, जिनसे लोगों को बेहतर आवास सुविधा तो मिल ही रही है, ये वर्षा-जल संरक्षण, वर्टिकल खेती और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी कमाल कर रहे हैं। ये उचित शोध और अनुसंधान के बाद उन इलाकों में लोगों का जीवन बचा सकते हैं, जिनमें सर्वाधिक भूकंप आते हैं।

ट्वीटर टॉक

सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी श्री राजकुमार रिणवा जी की नामांकन सभा में सम्मिलित होकर देवतुल्य जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं से भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने का आह्वान किया।

-राजेन्द्र राठौड़

आज जोधपुर में सरदारपुरा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़ की नामांकन सभा में मोदी जी की डबल इंजन सरकार हेतु जनता-जनार्दन से आशीर्वाद माँगा। प्रधान चुनाव कार्यालय का उद्घघाटन भी किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

दौसा में बस के पुलिया से नीचे गिरने से हुए हादसे में मृत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। साथ ही मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

कुम्हार

एक कुम्हार चिलम बनाया करता था, एक बार वह किसी तीर्थ स्थान पे गया, पूजा आराधना श्रद्धापूर्वक किया, फिर थकान मिटाने के लिए पास में ही रखी एक चौकी पे सो गया। कुम्हार हो नींद में एक सपना आया जिसमें एक देवता उससे पूछ रहे थे की तुम क्या करते हो' कुम्हार ने हाँथ जोड़कर कहा की चीलमे बनता हु। देवता के कहा जिंदगी भर चीलमे ही बनता रहेगा क्या, घड़ा क्यों नहीं बनाता। तुम्हे पता है चीलमे बनाकर तुम कितने लोगों का स्वास्थ्य का नुक्सान कर रहे हो। तुम्हारा खानदानी काम मटका बनाना है वह बनाता, बर्तन उपयोगी होते है। एसा कहकर देवता अदृश्य हो गया, और कुम्हार की भी नींद खुल गयी नींद खुलने पर कुम्हार स्वप्न की बात को याद करता रहा और उसने चिलम बनाना छोड़ दिया और घड़े बनाना सुरु कर दिया, और फिर उसे कमाई भी दुगनी होने लगी, कुम्हार ने कुछ घड़े पानी भरकर रस्ते में भी रख दिए ताकि आते-जाते प्यासे लोग पानी पी सके, उसे कुम्हार के अंदर एक तृप्तता सी आ गयी वह उत्साह से जीवन जीने लगा। कहानी का तात्पर्य यह है की हर किसी को अचे कार्य करने के लिए कुछ प्रेरणा मिलती है, वह हमारे ऊपर है की हम उस बात पर अमल करते है की नहीं।

सामयिक

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का इलाज

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है।

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

ज्ञान विज्ञान

पृथ्वी के अंदर मिले एलियंस की दुनिया के सुराग!

क्या एलियंस का सुराग पृथ्वी के अंदर छुपा है? वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे ग्रह के भीतर किसी अन्य ग्रह के टुकड़े छुपे हो सकते हैं, जिनका साइज एक महाद्वीप जितना होगा। लंबे समय से वैज्ञानिकों का मानना है कि करीब 4.5 अरब साल पहले थिया नाम का ग्रह पृथ्वी से टकराया था। उस वजह से चंद्रमा का निर्माण हुआ। हालांकि यह थ्योरी साबित नहीं हुई है, क्योंकि माना जाता है कि टक्कर के बाद थिया का अस्तित्व खत्म हो गया। अब नेचर मैगजीन में पब्लिश स्टडी में नई जानकारी दी गई है। एक सुपरकंप्यूटर सिमुलेशन से सबूत मिला है कि थिया ग्रह के टुकड़े अभी भी हमारे ग्रह के मेंटल और कोर के बीच की बाउंड्री में जीवित हो सकते हैं। यह हमारे

ग्रह की आंतरिक कार्यप्रणाली के बारे में नई जानकारी दे सकता है। वैज्ञानिकों को लगता है कि एक दिन वह थिया ग्रह के उन टुकड़ों तक पहुंच जाएंगे, जो पृथ्वी के अंदर छुपे हैं। इससे यह भी पता चल पाएगा कि चंद्रमा कैसे बना।

वैज्ञानिक मानते आए हैं कि थिया नाम का एक ग्रह अपनी शुरुआत में ही पृथ्वी से टकरा गया था। टक्कर की वजह से ब्रह्मांड में चट्टानें बिखर गईं। कई चट्टानें पृथ्वी की कक्षा में एकसाथ घूमने लगीं और उन्होंने चंद्रमा का निर्माण किया। हालांकि यह थ्योरी आजतक साबित नहीं हुई है। अब नई स्टडी ने यह उम्मीद जगाई है कि थिया के टुकड़े हमारी पृथ्वी के केंद्र में बचे हैं। वैज्ञानिकों को लगता है कि इस वजह से ही पृथ्वी के केंद्र में कुछ रहस्यमयी गड़बड़ी है। वहां तापमान अचानक बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों को लगता है कि पृथ्वी के कोर के चारों ओर कुछ लिपटा हो सकता है, जो इसे अंदर से गर्म रखता है।

चिंतन

टिकट से वंचित नेता हो रहे बागी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

पांच राज्यों के विधानसभा से पहले अनेक राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं के बीच बड़ी ऊंठापटक, खींचतान एवं चरित्रगत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस ही आमने-सामने की स्थिति में है, लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर इन दोनों ही दलों में दोनों ही राज्यों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों में अपने आपको पार्टी का सर्वेसर्वा मानने वाले नेताओं की इस बार टिकट बंटवारे में दाल नहीं गली और वे अपने चेहतों को टिकट देने में नाकाम साबित हुए, जिससे दोनों ही दलों में भारी असंतोष एवं विद्रोह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के शीर्ष नेताओं को भी टिकट न मिलने से बागी एवं बगावती स्वर उभर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है? क्या पार्टी के प्रति बफादारी का गुब्बारा एक टिकट न मिलने की सूई से ही हवा शून्य हो गया है? एक प्रश्न और है कि टिकट क्या किन्हीं नेताओं की बपौती है, फिर बाकी कार्यकर्ताओं का क्या वजूद है जो सालों से पार्टी के लिये जी-जान लगाये होते है? क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? लोकतंत्र में जब मूल्य एवं सिद्धान्त कमजोर हो जाते है और सिर्फ निजी हैसियत को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है वह लोकतंत्र निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है।

अफसोस, कि जिस जन की सेवा के लिए चुनाव टिकट रूपी एंट्री पास तैयार किया गया है, वह 'जन' पहले भी हतप्रभ था, आज भी है और शायद आगे भी रहेगा। क्योंकि आम मतदाता तो पहले भी ठगा जाता था, गुमराह किया जाता था। आज भी उसके साथ यही हो रहा है? टिकट की दौड़ के लिये सक्रिय होने एवं पांच साल में केवल चुनाव के समय नजर आने वाले उम्मीदवारों को दोनों पार्टियों ने टिकट न देकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। राजनीति में ऐसे ही साहसिक एवं अभिनव प्रयोग की अपेक्षा है, ताकि राजनीति में प्रतिनिधित्व की पात्रता किन्हीं सीमित हाथों से बाहर आये एवं नये चेहरों को अपना हूनर दिखाने का अवसर मिले।

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन के आखिरी दिन अनेक चेहरों को निराशा हाथ लगी है। भाजपा की आखिरी लिस्ट आ चुकी है, लेकिन इस लिस्ट में केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया है। भाजपा ने इस बार वसुंधरा राजे के कई समर्थकों के टिकट काट दिए हैं। इनमें अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी प्रमुख है और दोनों नेता ऐसे है जो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके है। इनके साथ ही पूर्व मंत्री एवं राजे के खास यूनुस खान का भी टिकट काट दिया गया है। राजपाल सिंह शेखावत और राव राजेन्द्र का टिकट भी पार्टी ने काट दिया है। कांग्रेस में भी ऐसे अनेक महत्वपूर्ण चेहरों को निराशा हाथ लगी है। टिकट न मिलने से पार्टी के इन वफादार सैनिकों के स्वरों में भी बगावत देखने को मिल रही है। निश्चित ही दोनों ही दलों में टिकट बंटवारे में आजमाये इन नये प्रयोगों का व्यापक असर देखने को मिलेगा। राजस्थान के अनेक राजनीतिक विश्लेषकों से चर्चा से यह तथ्य भी सामने आया है कि दलों में हो रहे इन बदलावों का नकारात्मक ही नहीं, सकारात्मक परिणाम भी सामने आयेगा।

चुनाव के समय राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष होना स्वाभाविक है। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों मेहनत करे और टिकट वितरण के समय उसे दरकिनार कर दूसरे या किसी आयातित व्यक्ति को टिकट दे दिया जाए तो राजनीति में निष्ठा और समर्पण का पैमाना अपने आप ध्वस्त होने लगता है। वैसे भी हर पार्टी में एक सीट पर टिकट के एक से अधिक आकांक्षी होते हैं। दलों की संवैधानिक मर्यादा एवं सीमाएं हैं कि वे चुनाव में किसी एक को ही टिकट दे सकती हैं। ऐसे में बाकी को या तो पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का समर्थन करना होगा या फिर दूसरे किसी दल से टिकट लेकर अथवा निर्दलीय चुनाव में खड़ा होना होगा। टिकट न मिलने वालों को अपनी नाराजगी प्रकट करने का अधिकार है, वे चाहे तो पार्टी हाई कमान और टिकट वितरणकर्ताओं के सामने खुलकर अपनी नाराजगी का प्रदर्शन कर मन को हल्का करे या अनैतिक विकल्प के तौर पर पार्टी में रहकर ही भीतरघात कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाकर अपनी उपेक्षा का बदला ले और अगले चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का खाता खुला रखे। राजस्थान में ऐसे ही सीन बन रहे हैं, अब विरोध के प्राचीन तरीकों जैसे कि नारेबाजी, धरना प्रदर्शन से मीलों आगे जाकर शीर्ष नेताओं के घरों के सामने आत्मदाह करने, पार्टी दफ्तरों पर हमले, नेताओं के कपड़े फाड़ने, हाथापाई, सामूहिक इस्तीफे और टिकट कटने के बाद मातमी अंदाज में जार-जार आंसू बहाने की स्थितियां समाप्त हो गयी है। अब तो पार्टियों में विरोध प्रदर्शन का सबसे सशक्त हथियार निर्दलीय चुनाव लड़ना या भीतरघात करना ही देखने को मिल रहा है। मानो सभी दलों में अनुशासनहीनता और अराजकता की एक अघोषित स्पर्द्धा चल रही हो, जिसमें हर असंतुष्ट अपने गिरोह के साथ दूसरे को पीछे छोड़ने की दबंगई में लगा है। ऐसा नहीं है कि आला नेताओं को कार्यकर्ताओं के इस तरह उग्र अथवा बागी होने का अंदाजा न हो। लेकिन पार्टियां चुनाव का टिकट बांटती हैं तो टिकट देने और टिकट काटने के उसके अपने पैमाने होते हैं। उनकी अपनी सीमाएं भी होती है।

टिकट बंटवारे में आलाकमान बहुत बारीकी से निर्णय लेता है, महीनों तक भीतर-ही-भीतर योग्य उम्मीदवार की पात्रता के संबंध में पार्टी की चलने वाली गंभीर विश्लेषण-जांच एवं अनुसंधान की गहरी भूमिका होती है, अब कोई धमक, सेवा एवं पैसा काम नहीं आता। यहां तक बड़े नेताओं के निजी संबंध भी अब कारगर नहीं रहे। एक-एक पात्र उम्मीदवार पर हर कोण से गंभीर रिपोर्ट तैयार होती है और वही टिकट बंटवारे का माध्यम बनती है। इसलिये अब बगावत एवं विद्रोह के उतने नुकसान भी नहीं देखने को मिलते, जितने पहले हुआ करते थे। पार्टी हित में शीर्ष नेतृत्व ऐसे बगावती स्वरों को शांत करने की पूरी कोशिश करता है। राजस्थान में अनेक टिकट वंचित उम्मीदवार छोटे दलों के टिकट पर या निर्दलयी चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर चुके हैं। हालांकि, नाराजों को बिठाने और चुप कराने के लिए दोनों दलों में बड़े नेता साम-दाम-दंड-भेद सभी तरीके अपनाने में लगे हैं। लेकिन राजनीतिक कार्यकर्ता यह बखूबी जानता है कि बड़े नेताओं द्वारा उससे किए वादे भी ज्यादातर चुनावी वादों की तरह खोखले अथवा आधे-अधूरे होते हैं। साथ में यह भी सच है कि बड़े दलों में अब वो ऋषि एवं कद्दावर राजनेताओं का अभाव है, जिनके इशारों पर आक्रोश एवं विद्रोह शांत हो जाते थे। ऐसे दिग्गज नेताओं का नैतिक प्रभाव खत्म होने के बाद आजकल कार्यकर्ताओं को मनाने का फार्मूला मोटे तौर पर अगले चुनाव में टिकट के वादे, सत्ता में आने पर किसी पद की रेवड़ी, या फिर बात-बेबात उसकी पीठ थपथपाने, मंच से तारीफ के दो शब्द कहकर भावनात्मक शोषण करने या फिर धन के रूप में ही देखने को मिल रहा है। लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ा सवाल तो राजनीति में बुनियादी नैतिकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का है? लोकतंत्र में चुनाव टिकट की आकांक्षा रखना स्वाभाविक है, लेकिन उसे जीने-मरने का सवाल बना देना या उसे विसंगतियों एवं विडम्बनाओं का शिखर बना देना क्या संदेश देता है? दरअसल राजनीतिक व्यवस्था मूलतः लोकतंत्र को चलाने और इस तंत्र के असल मालिक लोक के जीवन को सुचारु और समृद्ध बनाने के लिए है, लोकतांत्रिक माफिया बनने के लिए तो कत्तई नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के अमृत काल में यह कड़वा सच है कि राजनीति अब अधिकांश लोगों के लिए शुद्ध रूप से चौतरफा लाभ का धंधा है। इसीलिए वो इसे छोड़ना तो दूर इसे पीढ़ी दर पीढ़ी कायम रखना चाहते हैं ताकि पावर, पैसा और प्रतिष्ठा की गंगोत्री सूख न सके।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संबोधन

राजौरी में एस.ओ.एस. इंटरनेशनल के चेयरमैन राजीव चुनी सोमवार को राजौरी जिले के नौशेरा शहर में पीओजेके शरणार्थियों को संबोधित करते हुए।

द. अफ्रीका ने इजराइल से अपने राजदूत को वापस बुलाया, गाजा में इजराइली कार्रवाई को नरसंहार बताया

जोहानिसबर्ग/एपी

दक्षिण अफ्रीका सरकार ने गाजा पट्टी पर बमबारी को नरसंहार करार देते हुए सोमवार को इजराइल से अपने राजदूत और राजयनिकों को वापस बुला लिया। दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने इजराइल-हमास युद्ध को लेकर देश के रुख के बारे में हालिया टिप्पणी को लेकर अपने राजदूत के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी। इजराइल में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत की उन टिप्पणियों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले में 1,400 से अधिक लोगों की मौत के बाद युद्ध छिड़ गया था। गाजा में इजराइली सेना की कार्रवाई में 10 हजार से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति कार्यालय में मंत्री खुम्बुदजो नत्शावेनी ने कहा, दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने परामर्श के लिए तेल अवीव से अपने सभी राजनयिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने इजराइली सरकार के अत्याचारों और नरसंहार का विरोध करने वालों के बारे में दक्षिण अफ्रीका में इजरायली राजदूत की अपमानजनक टिप्पणी पर गौर किया है और अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग को निर्देश दिया गया है कि वह (उनके) आचरण को लेकर राजनयिक माध्यमों और नियमों के तहत आवश्यक कार्यवाई करे।

जोहानिसबर्ग में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास और प्रीटोरिया व केपटाउन में इजराइली दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने दक्षिण अफ्रीका सरकार से इजराइली राजदूत को निष्कासित करने की अपील की है।दक्षिण अफ्रीका की अंतरराष्ट्रीय संबंध मंत्री नालेदी पेंडोर ने कहा कि सरकार को क्षेत्र की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी देने के लिए दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों को तेल अवीव से वापस बुलाया जाएगा।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत ब्रिटिश फिल्म 'कैचिंग डस्ट' से होगी

नयी दिल्ली/भाषा

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को घोषणा की कि गोवा में 20 से 28 नवंबर तक चलने वाले 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई)की शुरुआत ब्रिटिश फिल्म 'कैचिंग डस्ट' के साथ होगी जबकि इसका समापन अमेरिकी फिल्म 'द फेदरवेट' के साथ होगा।

मंत्री ने यहां आईएफएफआई की पत्रकार वार्ता में कहा कि तुर्किये की फिल्म 'अबाउट ड्राई ग्रास' को महोत्सव के बीच में दिखाया जाएगा। ठाकुर ने कहा कि फिल्म निर्माण के लिहाज से भारत को दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म निर्माता माना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत फिल्म के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरा है। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले तीन साल में भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग ने सालाना 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। हमारा उद्योग नवाचार और रचनात्मकता के प्रतीक के रूप में खड़ा है, जो देश के हर कोने तक पहुंच रहा है और अब दुनिया के हर कोने तक पहुंच रहा है। यदि आपकी सामग्री में दम है, तो यह जल्दी ही क्षेत्रीय से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बन सकती है।''

इस साल मंत्रालय ने महोत्सव में दिये जाने वाले पुरस्कारों के तहत एक नई श्रेणी की घोषणा की है जिसे एक वेब सीरीज को उसके कलात्मक कौशल, कहानी बयां करने के तरीके, तकनीकी दक्षता और उसके समग्र प्रभाव के आधार पर प्रदान किया जाएगा।

ठाकुर ने कहा कि देश में ओटीटी (ओवर द टॉप) प्लेटफार्म की संख्या और घरेलू सामग्री के उत्पादन, दोनों में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा, ''भारत में हजारों घंटों से अधिक की सामग्री का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। यह सामग्री मनोरंजन का एक स्रोत भी है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमने सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज ओटीटी पुरस्कार शुरू किया है।'

ठाकुर ने कहा कि 15 ओटीटी प्लेटफार्मों से 10 भाषाओं में कुल 32 प्रविष्टियों को पहले सर्वश्रेष्ठ वेब शृंखला पुरस्कार के लिए चुना गया है। विजेता सीरीज के लिए प्रमाणपत्र और 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। 'गोल्डन पीकॉक पुरस्कार' के लिए 15 फिल्मों के बीच होड़ है। यह पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ फिल्म को दिया जाता है और इसके तहत 40 लाख रुपये नकद दिये जाते हैं।

आईएफएफआई विभिन्न भाषाओं की सात फिल्मों का विश्व प्रीमियर भी आयोजित करेगा, जिन्हें राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया के सामूहिक प्रयासों से संजोया गया है। इनमें बंगाली फिल्म 'विद्यापति' (1937), मराठी फिल्म 'श्यामची आई' (1953), तेलुगु फिल्म 'पाताल भैरवी' (1951), हिंदी फिल्म 'हकीकत' (1964) और 'गाइड' (1965), बांग्ला फिल्म 'कोरस' (1974) और हिंदी फिल्म 'बीस साल बाद' (1962)शामिल है।

फिल्म 'सैम बहादुर' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की आने वाली फिल्म सैम बहादुर का पोस्टर रिलीज हो गया है देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर फिल्म सैम बहादुर बनायी जा रही है। इस फिल्म में सैम मानेकशॉ का किरदार विक्की कौशल निभा रहे है। फिल्म सैम बहादुर का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है।'सैम बहादुर' के नए पोस्टर में विक्की कौशल गंभीर लुक लिए नजर आ रहे हैं। उनके पीछे सैनिकों का समूह खड़ा है।

पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'यह कहानी है उस आदमी की, जिसने इंडियन आर्मी, इस देश को अपनी जिंदगी दे दी।फिल्म का ट्रेलर 07 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। सैम बहादुर फिल्म का निर्देशन मेघना गुलज़ार ने किया है। इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है।यह फिल्म एक दिसंबर 2023 को रिलीज होगी।

राजद की वरिष्ठ नेता राबड़ी देवी सोमवार को पटना में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान पार्टी विधायकों के साथ।

कांग्रेस के दलदल में फंसा 'इंडिया' गठबंधन : शिवराज

भोपाल/भाषा

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस 'दलदल' में बदल गई है और विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' इसमें फंस गया है। चौहान ने इस बारे में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा से 'स्पष्टीकरण' की मांग की। चौहान की यह टिप्पणी मध्यप्रदेश में असफल चुनावी गठबंधन को लेकर कांग्रेस नेता कमलनाथ और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बीच विवाद की पृष्ठभूमि में आई है।

एक दिन पहले यादव ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने पिछले दिनों जाति जनगणना और मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने से रोक दिया था। चौहान ने सिंगरौली में संवाददाताओं से कहा, ''मैं प्रियंका जी से पूछना चाहता हूं कि सपा और आम आदमी पार्टी (आप) जो विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं, मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। क्या यह दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती जैसा है।'' प्रदेश

की 230 विधानसभा सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है और मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन के सहयोगी केवल कांग्रेस को कोस रहे हैं और कह रहे हैं कि यह विश्वसनीय पार्टी नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलदल में बदल गई है और 'इंडिया' गठबंधन इसमें फंस गया है। चौहान ने कहा कि यादव ने कांग्रेस को एक चालू पार्टी करार दिया था जो लोगों को धोखा देती है और कहा कि सपा ने उस पर भरोसा करके गलती की है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने सवाल किया, जब (विपक्षी गुट में) किसी को भी कांग्रेस पर भरोसा नहीं है तो मध्यप्रदेश के लोग उस पार्टी पर कैसे विश्वास कर सकते हैं? उन्होंने मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ से उनकी उम्र 'स्पष्ट' करने को भी कहा। यादव ने कल टिप्पणी की थी कि 80 साल का व्यक्ति किसी को कैसे पहचानेगा। उन्होंने (कमलनाथ ने) एक कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से कहा था कि वह 72 साल के हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और और वह स्वयं किसानों को 'सम्मान निधि' दे रहे हैं और उनकी जमीन की सिंचाई की व्यवस्था की है। किसानों को (फसल) ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर प्रदान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि जब आपकी पार्टी (कांग्रेस) के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में थी तो उसने किसानों के लिए क्या किया । चौहान ने आरोप लगाया कि प्रियंका ने झूठा बयान दिया है कि भाजपा सरकार ने मध्यप्रदेश में केवल 21 नौकरियां प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि यह झूठ की दुकान खोलने के समान है। चौहान ने कहा, आपको इतना झूठ नहीं बोलना चाहिए।

'द रेलवे मेन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोपाल गैस त्रासदी पर बनी वेबसीरीज 'द रेलवे मेन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। वर्ष 1984 को भोपाल में एक केमिकल फैक्ट्री से जहरीली गैस लीक हुई, जिसमें हजारों लोगों ने अपनी जान गंवा दी और लाखों लोग प्रभावित हुए। इसी घटना पर वेब सीरीज 'द रेलवे मेन'बनी है, जिसका ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी वेब सीरीज 'द रेलवे मेन' एक थ्रिलर सीरीज है, जिसमें उन हीरोज की कहानी दिखाई जाएगी, जिन्होंने अपनी जान दांव पर लगाकर भोपाल के लोगों की मदद की थी। सीरीज उन हीरोज की बात करती है, जिनके किस्से अनसुने रह गए। 'द रेलवे मेन' में केके मेनन, दिव्येंदु शर्मा, बाबिल खान और आर माधवन जैसे मंझे हुए कलाकार शामिल हैं।ट्रेलर में सीरीज की संजीदा कहानी भोपाल गैस त्रासदी की उस भयंकर रात की एक झलक साफ दिखा रही है। शिव रवैल निर्देशित सीरीज 'द रेलवे मेन' 18 नवंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

फिल्म 'दिल्ली डार्क' समाज में बाहरी लोगों की स्वीकार्यता की कहानी है : निर्माता दिबाकर दास

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्माता दिबाकर दास रॉय ने कहा है कि उनके निर्देशन वाली पहली फिल्म 'दिल्ली डार्क' को बनाने का उद्देश्य उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करना है जो आज समाज में बाहरी व्यक्ति की तरह महसूस करते हैं। इस फिल्म की कहानी माइकल ओकेके नाम के एक नाइजीरियाई छात्र के इर्द-गिर्द घूमती है, जो राष्ट्रीय राजधानी में अफ्रीकी समुदाय के खिलाफ पूर्वाग्रह से लड़ता है। छात्र का किरदार नाइजीरियाई अभिनेता सैमुअल अबियोला रॉबिन्सन ने निभाया है। फिल्म निर्देशक ने कहा कि वह इस फिल्म के माध्यम से स्वीकार्यता का संदेश देना चाहते हैं। रॉय ने कहा कि फिल्म के पीछे का उद्देश्य सिर्फ दिल्ली में अफ्रीकियों के बारे में बात करना नहीं है। इसका उद्देश्य उन लोगों के बारे में बात करना है जो आज समाज में खुद को बाहरी व्यक्ति की तरह महसूस करता है। ऐसा भारत, अमेरिका या किसी अन्य जगह पर हो सकता है।

'दिल्ली डार्क' का हाल ही में जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर किया गया था। नस्लवाद पर व्यंग्यात्मक रूप से बनाई गई यह फिल्म 14 नवंबर को 27वें टालिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म में गीतिका विद्या ओहल्याण, शांतनु अनम और स्तुति घोष भी नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण 'रिलिजन फिल्म्स' के बैनर तले दिबाकर दास रॉय और उदयन दास रॉय ने किया है।

सीमित बजट में बनी विक्रांत मैसी की '12वीं फेल' ने पाई कामयाबी

मुंबई/एजेन्सी

विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। कंगना रनौत की 'तेजस' के साथ बॉक्स ऑफिस पर रिलीज इस फिल्म को प्रदर्शित हुए 11 दिन हो चुके हैं और इन दिनों में कम बजट में बनी इस फिल्म ने कंगना रनौत की 'तेजस' को चारों खाने चित्त कर दिया है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 12वीं फेल ने 10वें दिन 3.33 करोड़ रुपए का शानदार कारोबार किया था। अब फिल्म के 11वें दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म मंडे को 1 करोड़ 50 लाख रुपए का बिजनेस कर सकती है। इसी के साथ 12वीं फेल का कुल कलेक्शन 23.05 करोड़ हो जाएगा।

'12वीं फेल' 25 करोड़ के बजट में बनी फिल्म है। कम लागत के साथ बनी यह फिल्म दर्शकों का

दिल जीत रही है। फिल्म ने कंगना रनौत की 'तेजस' को शिकस्त दे दी है जो कि अब बॉक्स ऑफिस पर काफी स्ट्रगल कर रही है, जहां 11 दिनों में '12वीं फेल' ने 23.05 करोड़ रुपए कमाए हैं तो वहीं 'तेजस' 5.9 करोड़ रुपए का ही कारोबार किया है।

विधु विनोद चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी फिल्म '12वीं फेल' आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार की कहानी है। यह फिल्म अनुराग पाठक की किताब ट्वेल्थ फेल पर बनी है। फिल्म में विक्रांत मैसी लीड किरदार अदा करते दिखाई दिए हैं। वहीं उनके साथ पलक लालवानी और मेधा शंकर भी नजर आई हैं।

'टाइगर-3' के लिए प्रशिक्षण अपनी सहनशक्ति को परखने वाला अनुभव'

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ 'टाइगर-3' फिल्म की शूटिंग के लिए कड़े प्रशिक्षण से गुजरी हैं और उनका कहना है कि यह उनकी सीमा से परे जाने, अपनी सहनशक्ति को परखने और 'खुद के भीतर की ताकत को जानने' वाला अनुभव था। कैटरीना इस फिल्म में भी आईएसआई की पूर्व एजेंट जोया का किरदार निभा रही हैं जबकि उनके साथ सुपरस्टार सलमान खान रॉ एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को मनीष शर्मा ने निर्देशित किया है। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए जब टाइगर का नाम आता है तो यह अपनी सीमा से परे जाने, सहनशक्ति का परीक्षण करने और खुद के भीतर की ताकत को तलाशने का अनुभव है।'' कैटरीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के लिए प्रशिक्षण के कई वीडियो साझा करते हुए पोस्ट किया,''किसी ने मुझसे कहा, 'दर्द भी एक अन्य तरह का एहसास है... इससे मत डरो, पीड़ा से मत भागो। कई दिनों तक मुझे थकान रही और मैंने महसूस किया कि यह समय अलग है। मेरा शरीर जख्मी हो गया था लेकिन मैं खुद से कहती थी कि इसे चुनौती की तरह लो और देखो कि आज तुम कितना सामना कर सकती हो।

बासु चटर्जी की फिल्म 'एक रुका हुआ फैसला' का रीमेक बनाएंगे निर्देशक अश्विन त्रिवेदी

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्देशक अश्विन त्रिवेदी, बासु चटर्जी द्वारा निर्मित 1986 की कोर्ट रूम ड्रामा एक रुका हुआ फैसला का रीमेक बनाएंगे। फिल्म निर्माताओं ने यह घोषणा की है। एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इस फिल्म में अतुल कुलकर्णी, सुविंदर विक्की, दिब्येंदु भट्टाचार्य, नीरज काबी, दिव्या दत्ता, विनीत कुमार, तनिष्ठा चटर्जी, कानी कुश्रुति, हेमंत खेर, संवेदना सुवालकर, ल्यूक केनी और मनु ऋषि चड्ढा जैसे कलाकार नजर आएंगे। त्रिवेदी ने कहा कि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती फिल्म को एक नए नजरिए से देखना था। बासु चटर्जी द्वारा निर्मित एक रुका हुआ फैसला सिडनी ल्यूमेट द्वारा निर्देशित 1957 की अमेरिकी फिल्म 12 एंग्री मेन पर आधारित है।

उन्होंने बताया, कानूनी शोधकर्ताओं से सलाह लेने के बाद फिल्म की कहानी तैयार की गई है। मृगतृष्णा और मारा पप्पा सुपरहीरो जैसी गुजराती फिल्मों के निर्देशक त्रिवेदी ने एक बयान में कहा, हम शानदार कलाकारों को एक साथ ला रहे हैं। मैं फिल्म का इंतजार कर रहा हूं। फिल्म की शूटिंग 10 दिसंबर से मुंबई में शुरू होगी।

फिल्म 'देवरानी जेठानी 2' फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अंजना सिंह और संचिता बनर्जी की आने वाली फिल्म देवरानी जेठानी 2 फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। निर्माता प्रदीप सिंह की आने वाली फिल्म देवरानी जेठानी 2 का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है, जिसमें फिल्म की लीड अभिनेत्री अंजना सिंह और संचिता बनर्जी एक दूसरे के साथ उलझती नजर आ रही हैं। वहीं दूसरी और उनके पति की भूमिका में गौरव झा और देव सिंह एक दूसरे को झगड़े से अलग करते दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म को अजय कुमार झा ने निर्देशित किया है। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह के साथ अपूर्व मेड़तिया, मोनिका सिंह और प्रतीक सिंह है। फिल्म देवरानी जेठानी 2 को लेकर प्रदीप सिंह ने कहा कि देवरानी जेठानी की तरह ही यह फिल्म मजेदार होने वाली है। इसकी कहानी एसके चौहान ने लिखी है, जो बेहद खूबसूरत है। यह फिल्म के पहले भाग से काफी अलग और अलग अंदाज में प्रस्तुत किया जा रहा है। फिल्म के पोस्टर में दिख रहे तेवर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह फिल्म मनोरंजन से भरपूर होने वाली है। देवरानी जेठानी का रिश्ता अक्सर तकरार के रूप में देखा गया है, लेकिन हम अपनी फिल्म में इसके माध्यम से एक सार्थक संदेश और स्वस्थ मनोरंजन दर्शकों को देने वाले हैं। फिल्म में कॉमेडी का तड़का भी खूब नजर आएगा तो इमोशंस की भी कमी नहीं दिखेगी। इस फिल्म को हमने बड़े पैमाने पर बनाया है। फिल्म में सभी कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है और उम्मीद करता हूं कि यह जब भी रिलीज होगी, तब दर्शकों को भी हमारी फिल्म पसंद आएगी और वह इसे अपने परिवार के साथ मिलकर देखेंगे।

वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन तले बनी फिल्म देवरानी जेठानी 2 के संगीतकार मुन्ना दुबे हैं। गीतकार प्यारे लाल यादव,मुन्ना दुबे एवं शेखर मधुर हैं। छायांकन मनोज सिंह ने किया है। संकलन गुर्जन्ट सिंह ने किया है। नृत्य कानू मुखर्जी का है। कला नाजिर सेख और मारधाड़ श्रवण कुमार का है। कार्यकारी निर्माता कमल यादव हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 07-11-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

दक्षिण भारत की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' के रचनाकारों ने आगामी 10 दिसंबर को अपने वार्षिक महोत्सव एवं पुरस्कार अर्पण समारोह के आयोजन की तैयारियां आरंभ कर दी हैं। आयोजन में कन्नड़ एवं हिन्दी के अनेक मशहूर लेखक,कवि एवं अनुवादक शिरकत करेंगे।

सिवांची ओसवाल जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन हर्षोल्लास से सम्पन्न

प्रायोजक राजेन्द्रकुमार यशकुमार छाजेड़ परिवार का हुआ सम्मान

लालबाग रोड क्रॉस पर बनेगा ट्रस्ट का सिवांची भवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कुम्बलगोडु स्थित आचार्य तुलसी चेतना केंद्र में सिवांची ओसवाल जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया जिसमें करीब 3 हजार लोगों की उपस्थिति रही। स्नेहमिलन प्रायोजक राजेन्द्रकुमार-अनितादेवी यशकुमार छाजेड़ परिवार को शोभायात्रा के साथ सभास्थल पर लाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महिला संघ के मंगलाचरण से हुई। संघ पदाधिकारी राजेंद्र छाजेड़, अशोक सालेचा, महेंद्र रांका, रंजीत सोलंकी, प्रकाशकरण मेहता, नरेंद्र पालरेचा, सुरेश कानूंगा, प्रायोजक परिवार से राजेंद्र-अनितादेवी, यश छाजेड़, महिला संघ से सीमा मेहता, प्रीति चोरड़िया, सिवांची जैन युवा मंडल से जितेन्द्र कांकरिया तथा अनीश भोजाणी द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

संघ अध्यक्ष राजेंद्र छाजेड़ ने शब्दों के माध्यम से सबका स्वागत करते हुए संघ की महत्वाकांक्षी योजनाओं की भी जानकारी दी। महामंत्री अशोक सालेचा ने अपने प्रतिवेदन में समिति द्वारा अब तक किये गए कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संघ की समिति को दी गई जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया।

अगले सत्र में भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र छाजेड़ ने बताया कि सिवांची ओसवाल जैन भवन ट्रस्ट द्वारा शहर के मध्यभाग लालबाग रोड क्रॉस में भवन हेतु एक विशाल भूखंड को अग्रिम राशि देकर निश्चित कर दिया गया है, पिछले चंद दिनों के अथक प्रयास से अब तक 43 ट्रस्टी बनाएं जा चुके है। ट्रस्टी बनाने के प्रयास में तेजराज गुलेच्छा, महावीर मेहता, सुरेश जिनानी, राजेश शाह के सहयोग की प्रशंसा की। छाजेड़ के आह्वान पर सभा स्थल पर अनेक नए परिवारों ने ट्रस्ट मंडल हेतु अपने नाम की स्वीकृति प्रदान की, इस प्रकार 50 ट्रस्टियों की लक्षित संख्या पूर्ण हो गई। प्रवीण बाफना ने संघ द्वारा निर्माणाधीन सिवांची ऍप की विस्तृत जानकारी दी। साधर्मिकों के उत्थान के लिए संघ द्वारा स्थापित श्रावक उन्नति योजना के समन्वयक महेंद्रकुमार रांका ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। स्नेहमिलन स्थल पर हर परिवार में रखे जाने वाले साधर्मिक कलश भी वितरित किये गए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मंच पर मुमुक्षु खुशी कुमारी गोगड़मुथा का संघ की ओर से सम्मान किया गया। ललित कला निकेतन द्वारा भारत दर्शन के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर कार्यक्रम स्थल पर संयोजक अशोक मेहता के नेतृत्व में रक्तदान शिविर भी रखा गया था जिसमें 50 से अधिक यूनिट रक्त संग्रतिहत हुआ। संघ द्वारा मनोरंजन हेतु गेम्स के अनेक स्टाल लगाए गए थे जिसकी व्यवस्था सिवांची जैन युवा मंडल के सदस्यों ने संभाली। बसों की व्यवस्था सुरेश कानूंगा, पदमराज लुंकड, संदीप ओस्तवाल एवं कुशल लुंकड ने संभाली। भोजन व्यवस्था में महावीर पारख, संजय बालड़, प्रकाशकरण मेहता, महेंद्र बागरेचा अनिल कांकरिया, रमेश छाजेड़ की सेवाएं उल्लेखनीय थी। स्टेज एवं हाल व्यवस्था में नरेंद्र पालरेचा, राजेंद्र भंसाली, ललित कानूंगा ने सेवाएं दी। प्रथम सत्र में उपाध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने एवं द्वितीय सत्र में मंत्री सुरेश कानूंगा ने धन्यवाद् दिया। राजेंद्र गुलेच्छा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

'शब्द' महोत्सव एवं पुरस्कार अर्पण समारोह की तैयारियाँ शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' के रचनाकारों ने आगामी 10 दिसंबर को अपने वार्षिक महोत्सव एवं पुरस्कार अर्पण समारोह के आयोजन की तैयारियां आरंभ कर दी हैं। आयोजन में कन्नड़ एवं हिन्दी के अनेक मशहूर लेखक,कवि एवं अनुवादक शिरकत करेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए 'शब्द' के सदस्य रचनाकारों की गत रविवार को गोड़वाड़ भवन में बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तथा तैयारियों के बारे में विचार किया गया। बैठक में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि 'शब्द' का वार्षिक महोत्सव-सह-पुरस्कार अर्पण समारोह हर वर्ष की भांति धूम-धाम से मनाया जाएगा और इसमें बेंगलूरवासियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे। इस वास्ते स्वागत समिति के साथ-साथ विभिन्न उप समितियां गठित की गयीं। ज्ञातव्य है कि नगर की लगभग तीन दशक पुरानी साहित्यिक संस्था 'शब्द' अपने सदस्य रचनाकारों की सर्जना को निखारने के साथ-साथ पिछले वर्ष से हिन्दी साहित्य के संवर्धन में उल्लेखनीय अवदान करने वाले किन्हीं एक रचनाकार को प्रति वर्ष एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' प्रदान कर रहा है। यह पुरस्कार नगर के समाज सेवी बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से शुरू किया गया है। ऐसे ही राष्ट्रीय भावधारा को मजबूत करने के लिए दक्षिण भारत में हिन्दी भाषा के विकास में अमूल्य योगदान देने वाले किन्हीं एक दक्षिण भारतीय हिन्दी सेवी के सम्मानार्थ इक्कीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी समान' पिछले वर्ष से शुरू किया गया है। यह पुरस्कार दक्षिण भारत में मशहूर हिंदी अखबार समूह 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से प्रदान किया जाता है। इस वर्ष का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कथाकार हृषिकेश सुलभ को प्रदान किया जाएगा तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' वयोवृद्ध हिन्दी सेवी बी एस शांता बाई को दिया जाएगा ।

'शब्द' की बैठक के दूसरे चरण में सदस्यों ने मासिक रचना गोष्ठी के अंतर्गत अपनी अपनी कविताओं का पाठ किया। कवि हंसराज मुणोत की अध्यक्षता में संपन्न रचना गोष्ठी का संचालन युवा कवि ब्रजेन्द्र मिश्र 'ज्ञासु' ने किया। श्रीकांत शर्मा की सरस्वती वंदना से काव्य पाठ का प्रारंभ हुआ। इस साहित्यिक महफ़िल में वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, रचना उनियाल, विद्या कृष्णा, उषारानी राव, आनंद मोहन झा, नलिनी पोपट, गीता चौबे 'गूँज', स्वर्ण ज्योति, स्वीटी सिंघल, ऋता शेखर'मधु', बिंदु रायसोनी, पंडित राजगुरु और ब्रजेन्द्र मिश्र 'ज्ञासु' ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम अध्यक्ष हंसराज मुणोत ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में रचनाकारों की सभी प्रस्तुतियों की सारगर्भित समीक्षा की और साहित्यिक क्षेत्र में शब्द संस्था के अविस्मरणीय योगदान को रेखांकित किया । बैठक में प्रो मैथिली पी राव एवं रमिता सिंह के अतिरिक्त साहित्य प्रेमी बाबूलाल गुप्ता तथा भूपेन पोपट की उपस्थिति भी उत्साहवर्द्धक रही। 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बोहरा वारियर्स टीम बनी 'मकाना कप' विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सीवी रमननगर के बैडमिंटन काम्पलेक्स में इनर सर्कल हलसूरू द्वारा आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में आठ टीमों के 128 युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस एक दिवसीय प्रतियोगिता के प्रायोजक गौतमचन्द जयप्रकाश मकाना परिवार रहा। इस एचबीएल मकाना बैडमिंटन कर्प में बोहरा वारियर्स टीम ने फिनिक्स टीम को रोमांचक मुकाबले में हरा कर जीत हासिल की। जूनियर ग्रुप में समकित बोहरा एवं मिष्टी लोढा तथा सीनियर ग्रुप में आशीष बोहरा एवं वैशाली बांठिया को श्रेष्ठ खिलाड़ी का पदक मिला। मुख्य प्रायोजक गौतमचन्द मकाना एवं अलसूर जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया एवं मंत्री अभयकुमार बांठिया ने विजेता टीम 'बोहरा वारियर्स' को मकाना कप ट्रॉफी प्रदान की। संयोजक पदम तातेड ने सभी को धन्यवाद दिया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भगत सिंह युवा गरजने संघ द्वारा महालक्ष्मीपुर क्षेत्र में अण्णमा देवी उत्सव व कर्नाटक राज्योत्सव मनाया जिसमें विधायक गोपाललैया ने ध्वजारोहण कर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने अण्णमा देवी की पूजा अर्चना कर जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। संघ की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया।

मानव सेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के सदस्यों ने नेलमंगला, सोन्डेगोपा गाँव में स्थित जनस्नेही चेरिटेबल ट्रस्ट एवं मानव सेवा जनसेवा फाउंडेशन श्री साईं बाबा ओल्ड एज होम एंड आरफोनेज चिल्ड्रन होम में निश्शारितों को भोजन कराया तथा आवश्यक राशन सामग्री वितरित की। तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश गन्ना, अरविंद कोठारी, जयंतीलाल गांधी, मुकेश भंडारी एवं विक्रमजी बोहरा ने मानव सेवा में श्रम दिया।

मायुम स्टार्स के सदस्यों ने आश्रम में दी राशन सामग्री व मिठाइयां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मारवाड़ी युवा मंच स्टार्स शाखा में रविवार को चन्दापुरा स्थित सिपानी सेवा सदन में निवासित 400 निराश्रितों के साथ दीपावली मनाई।

स्टार्स सदस्यों के बच्चों ने सभी का मनोरंजन करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा आश्रम में रह रहे बच्चों के साथ पटाखे फोड़े। मंच सदस्यों के सहयोग से आश्रम में 7 दिनों के लिए पर्याप्त चावल, दाल, पोहा और खाद्य तेल आदि किराना सामग्री भेंट की तथा आश्रम में रह रहे प्रत्येक को मिठाई का डिब्बा दिया।

इस कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल, शाखा अध्यक्ष संदीप चनानी संयोजक सुनील अग्रवाल और गोरांग गुप्ता ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

आचार्य महाश्रमण के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेयुप विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल ने आचार्य महाश्रमण के 50वें दीक्षा कल्याणक महोत्सव वर्ष पर उनके जीवन वृतांत पर आधारित क्विज 'जर्नी ऑफ आचार्य महाश्रमण' का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में किया गया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि आचार्यश्री महाश्रमण तेरापंथ के 11वें अधिशास्ता हैं, उनका जीवन प्रेरणादायी है। उनके जीवन प्रसंगों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के आयोजन से स्वतः ही हमें आचार्य श्री के जीवन को जानने और समझने का मौका मिलता है। प्रतियोगिता मे प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को प्रायोजक मनोहरलाल बाबेल परिवार द्वारा पुरस्कृत किया गया।

तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष राकेश पोखरणा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, सहमंत्री संजय भटेवरा, संगठन मंत्री पवन बैद, पूर्व तेयुप अध्यक्ष राकेश दुधोडिया, संपत चावत सहित संयोजक नमन चावत, सहसंयोजक दर्शन बाबेल एवं टीकेएम टीम से रौनक बोथरा का विशेष श्रम रहा। किशोर मंडल संयोजक नमन चावत ने सभी का स्वागत किया व अंत मे आभार ज्ञापन संयोजक विशाल सामसुखा ने किया।

ब्रह्मर्षि समाज ने लोक कलाकारों के साथ मनाया दीपावली स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्रह्मर्षि समाज का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को शहर के मैनफो वेल होटल में हर्षोल्लास से आयोजित हुआ। समिति के सचिव मुकुल भारद्वाज ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नाटक सरकार के अतिरिक्त मुख्यसचिव राकेश सिंह, गार्गी सिंह, समाज अध्यक्ष कमल किशोर, सचिव मुकुल भारद्वाज, रुचि भारद्वाज, सत्येन्द्र सिन्हा, शीला सिन्हा, प्रमोद शाही, सुबल किशोर राय ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में समाज की ओर से राकेश सिंह व गार्गीसिंह तथा भारतीय विज्ञान संस्थान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को सुधीर सिन्हा को सम्मानित किया गया।

अतिथि के रूप में उपस्थित आईएएस अधिकारी राकेश सिंह ने सभागार में उपस्थित सभी ब्रह्मर्षियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी कन्नड़िगा ब्रह्मर्षियों ने अपने कर्मठता का परिचय देते हुए कर्नाटक की तरक्की में योगदान किया है तथा दूध में चीनी की तरह यहां की जनता के दिलों में व मिट्टी में रच-बस गए है। हमें कर्मभूमि के साथ अपनी जन्मभूमि को भी महत्त्व देते हुए कर्मभूमि को पूजा स्थली समझे। इस अवसर पर प्रतिभाशाली बच्चों को पारितोषिक प्रदान करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में बुजुर्गों तथा कर्मठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भोजपुरी लोकगीत कलाकार गोलू राजा, शिवकुमार बिक्कू, अनुपमा यादव तथा दिलीप वर्मा ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। समिति की ओर से सभी कलाकारों का सम्मान किया गया। मंच संचालन हेमन्तकुमार शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सत्येन्द्र सिन्हा ने किया। इस अवसर पर ब्रह्मर्षि समाज के सभी सदस्यों को वर्ष 2024 का कैलेंडर वितरित किया गया।

अभिमान के त्याग से ही जीवन सफल होता है : आचार्य महेन्द्रसागर

राणेबेन्नूर/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि हमें जो भगवान से, गुरु से न मिलने दे, साधना, आराधना न करने दे, समाधि न रखने दे, तीर्थ न जाने दी उसका नाम है अभिमान। अभिमान का भार यू तोमहसूस नहीं होता है, परन्तु व्यक्ति को उसकी बड़ी कीमत चुकाना पड़ती है। हमें जीवन को सही रूप में जीना चाहिए, तनाव से मुक्त होकर, अभिमान से ऊपर उठकर जीवन जीने से जीवन सफल होता है ।

'गुरु प्राप्ति से ही जीवन सफल होता है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि संसार में चाहे कोई कितना ही बड़ा ज्ञानी हो अथवा ध्यानी, सिद्ध, संत हो या कोई महान विज्ञानी, चिकित्सक हो या शिक्षक कोई उद्यमी हो या व्यवसायी जब तक उसे सद्गुरु प्राप्त नहीं होते तब तक उसका जीवन गरिमा से युक्त नहीं होता। प्रातःकाल पूर्व दिशा में लालिमा लिए उदित होने वाला सूर्य समस्त ब्रह्माण्ड की आंख बनकर प्रकट होता है। सूर्य सबको प्रकाशित करता है लेकिन यह बाहर की आंख है, बाहर का प्रकाश है, जिससे इंसान के बाहर की ओर खुले हुए चर्म चक्षुओं को लाभ प्राप्त होता है। जिससे संसार का सौन्दर्य दिखता है और मनुष्य इस असार की ओर आकर्षित हो जाता है। संसार सागर में अंधेरे और उजाले दोनों हैं। यह जरूरी नहीं कि जो आप अपने इन बाहर खुले हुए नेत्रों से देख रहे हैं, जो दृश्य साफ-साफ दिखाई दे रहा है वह सत्य का ही उजाला हो। उस चमकते हुए उजाले की परत के पीछे छिपा हुआ घना अंधकार भी हो सकता है।

इस मानव देह में एक तीसरा ज्ञान चक्षु भी होता है, जिसके द्वारा अंधेरों और उजालों का अन्तर समझ आता है, जिसके द्वारा संसार नहीं संसार को बनाने वाला, लाखों-करोड़ों प्रकाशित सूर्य भी जिसकी बराबरी नहीं कर सकते, ऐसा जो ज्योति स्वरूप है, जो कण-कण में बसा हुआ है, सर्वव्यापक है, वह महान करतार दिखाई देता है। जीवन की गरिमा है, जिसके लिए हमें यह अनमोल शरीर प्राप्त हुआ है। अन्दर के प्रकाश से ही बाहर की वास्तविकता समझ आती है। दुनिया के रिश्ते-नातों की सच्चाई का पता तभी चलता है, जब सद्गुरु के ज्ञान का अमृत मिल जाए। नीर और क्षीर का भेद तभी पता चलता है जब गुरुकृपा से अंदर का प्राणी जाग जाए। गुरुशरण प्राप्त किए बिना इंसान बहुत सारी चोटों का शिकार हो जाता है। वैसे ठोकरें जीवन में सबक सिखाने के लिए लगती हैं, लेकिन गुरु कृपा के बिना इंसान बार-बार ठोकर खाता है, बार-बार गुनाह करता है, बार-बार धोखे का शिकार होता है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com